# HRA an Usival The Gazette of Indiana

प्राधिकार स प्रकाश्यात

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 18, 1975 (आश्विन 26, 1397)

No. 42]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 18, 1975 (ASVINA 26, 1897)

इस भाग में जिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

## संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 सितम्बर 1975

सं० पी०/1897-प्रशासन-I—इलाहाबाद विश्वविद्यालय, शिक्षा विभाग के भूतपूर्व रीडर डा० वी० एस० मिश्र को जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिधसूचाना दिनांक 16 ग्रागस्त, 1975 द्वारा संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में 12-9-75 तक उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया था, 29 फरवरी, 1976 तक, ग्रायवा ग्रागमी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उपर्युक्त पद पर कार्य करते रहने की ग्रामृति प्रदान की गई है।

पी० एन० मुखर्जी, श्रवर सचिव कृते श्रध्यक्ष

नई दिल्ली 110011, दिनांक 22 सितम्बर 1975 गुढि-पन्न

सं० ए० 11013/2/74-प्रज्ञा० II--संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के कुछ प्रतुभाग अधि-कारियों/सहायकों की श्रायोग में ग्रनुभाग अधिकारी (विशेष) के पक्षों पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्ति हो जाने के कारण संघ लोक सेवा ग्रायोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 6-9-75 (15 भाद्र, 1897) के में परा 1 में ग्रांशिक संशोधन करते हुए "ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक "शब्दों के स्थान पर" ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो" शब्द पढ़े आएं।

पी० एन**० मुख**र्जी, ग्रवर सचिव कुते सचिव नई दिल्ली,110011, दिनांक 14 श्रगस्त **197**5

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा० I—संघ लोक् सेवा मायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के प्रनुभाग प्रधिकारी ग्रेड के स्थायी प्रधिकारी श्री टी० डी० जोशी को राष्ट्रपित द्वारा 20 जुलाई 1975 से 31 जुलाई 1975 तक 12 दिन की प्रतिरिक्त भवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापश्र रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री टी॰ डी॰ जोशी ने 31 जुलाई, 1975 के श्रपराह्म से प्रवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

3. ग्रपने प्रत्यावर्तन पर श्री जोशी ने 31 जुलाई, 1975 के श्रपराह्म से संघ लोक सेवा श्रायोग में श्रनुभाग ग्रिधिकारी के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

#### दिनांक 17 सितम्बर 1975

सं० ए० 32014/1/75 प्रशासन III(1)—संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० एन० संगमेसवरन को राष्ट्रपति द्वारा 11 ग्रगस्त 1975 से 25 सितम्बर 1975 तक 46 दिन की ग्रवधि के लिए ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हों, उक्स सेवा के ग्रनुभाग ग्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशासन-III(2) — संघ लोक सेवा भाषोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थापी सहायक श्रीबी०बी० दास सर्मा को राष्ट्रपति द्वारा 16 ग्रगस्त 1975 से 30 सितम्बर 1975 तक 46 दिन की भ्रवधि के लिए भ्रथवा भ्रागामी भ्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशासन-III(3)—संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को राष्ट्रपति द्वारा 1 सितम्बर 1975 से 1 नवम्बर 1975 तक 62 दिन की श्रवधि के लिए श्रयवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रिधकारी ग्रेड में स्थानपत्र रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जातां है।

सं० ए० 32014/1/75 प्रशासन III(4)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिववालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० के० सामन्ता को राष्ट्रपति द्वारा 1 सितम्बर 1975 से 16 श्रक्तूबर 1975 तक 46 दिन की श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेणों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75 प्र० III(5)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस०पी० माथुर को राष्ट्रपति द्वारा 1 सितम्बर 1975 से 16 अक्तूबर 1975 तक 46 दिन की प्रविध के लिए प्रथवा श्रागामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

## दिनांक 18 सितम्बर 1975

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा म्रायोग में केन्द्रीय सिववालय सेवा संवर्ग के म्रानुभाग म्रधिकारी ग्रेड की स्थायी म्रधिकारी कुमारी एस० टी० केसवानी को राष्ट्र-पित द्वारा 11 म्रगस्त 1975 से 25 सितम्बर 1975 तक की म्रविध के लिए ग्रथवा नियमित म्रधिकारी के म्राने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थाानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/75-प्रणा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सर्वर्ग के अनुभाग प्रधिकारी ग्रेड के स्थायी प्रधिकारी श्री बी० एन० एड्डी को राष्ट्रपति द्वारा 16 अगस्त 1975 से 30 सितम्बर 1975 तक 46 दिन की भविध के लिए अथवा नियमित अधिकारी के आने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

#### दिनांक 19 सितम्बर 1975

सं० पी० -633 प्रमा० III — केन्द्रीय सनिवालय सेवा नियमावली, 1962 के निषम 15 के उन नियम (2) के साथ पठित नियम 17 के उन नियम (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संघ लोक सेवा प्रायोग में केन्द्रीय सन्विवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न प्रमुष्णग प्रधिकारी श्री के० एल० शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा

16 सिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से स्थायी सहायक के पद पर उसी संवर्ग में प्रत्यार्वातत कर दिया गया है।

पी० एन० मुखर्जी,
भवर सचिव
प्रशासन प्रभारी

## नई दिल्ली, 110011, दिनांक 10 सितम्बर 1975

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० I—समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24 जुलाई 1975 द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के०स०स्टे०सेवा का ग्रेड I श्री एम० सी० खुराना को, जिन्हें 31 अगस्त 1975 तक अस्थायी और तदध आधार पर निजी सचिव (के० स० स्टे० सेवा का चयन ग्रेड) के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, राष्ट्रपति द्वारा 1 सितम्बर 1975 से 27 सितम्बर 1975 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी हैसियत से पूर्णतः अस्थायी और तदध आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई हैं।

#### दिनोक 11 सितम्बर 1975

सं० ए० 32014/1/74-प्रशा० I— संघ लोक सेवा धायोग में स्थायी वयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० का ग्रेड II) श्री पी० पी० सिक्का की राष्ट्रपति द्वारा 5 सितम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से 4 विसम्बर, 1975 तक 3 मास की भवधि के लिए श्रयवा नियमित प्रबंध किए जाने तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तदर्थ भाधार पर वरिष्ट वयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड I) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

2. श्री पी० पी० सिक्का यह ग्रवगत कर लें कि विष्ठ वैयक्तिक सहायक (कै० स० स्टे० से० का ग्रेड I) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णत: ग्रस्थायी ग्रीर तदर्थ ग्राधार पर है ग्रीर के० स० स्टे० से० के ग्रेड I में विलयन ग्रीर उक्त ग्रेड में विरिष्ठता का उनका कोई हक नहीं होगा।

सं० ए० 32014/1/74-प्रशा० I — संघ लोक सेवा आयोग में के० स० स्टे० सेवा के स्थायी ग्रेड II ग्रधिकारी श्री एस० पी० मेहरा को, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 24 जुलाई, 1975 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में पूर्णतः तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 31 ग्रागस्त, 1975 के ग्रपराह्म से उसी संवर्ण में उक्त सेवा के ग्रेड II में प्रत्या-वित कर दिया गया है।

सं० ए० 32014/1/74-प्रशा॰ I — संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रोय सिववालय स्टेनोग्राफर सेवा संवर्ग के स्थायी ग्रेड II श्रधिकारी श्री पी० पी० सिक्का को, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक श्रधिसूचना दिनांक 1 जुलाई, 1975 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में पूर्णतः तक्ष्यं श्राधार

पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 3 सितम्बर, 1975 के ग्रथराह्न से उसी संवर्ग में उक्त सेवा के ग्रेक II में प्रत्यावित कर दिया गया है।

पी० एन० मुखर्जी, श्रवर सचिव

# मन्त्रिमंडल सचिवालय कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग प्रवर्तन निवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1975

स० ए० 11/25/75—श्री एम० जे० सोमण, ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क, बम्बई को प्रयतंन निवेशालय के बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 19 ग्रगस्त, 1975 से श्रगले ग्रादेशों तक के लिए मुख्य प्रवर्तन श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

सूरज भान जैन निदेशक

## केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1975

तं० ए० 35013/3/75 प्रणासन-5—राष्ट्रपति, श्रपने प्रसाद से पिष्चम बंगाल संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्री एस० के० चक्रवर्ती को दिनांक 10 सितम्बर, 1975 के पूर्वीह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशोष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधिक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 35013/9/75-प्रशासन-5---राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से बिहार संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्री डी० एन० सहाय को दिनांक 10 सितम्बर, 1975 के अपराह्म से भ्रगले भ्रादेश तक के लिए केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्रूरो , विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस स्थाधक्षक नियुक्त करते हैं।

श्री कृष्ण प्रकाश, भारतीय पुलिस सेवा-बिहार को दिनांक 10 सितम्बर, 1975 के श्रपराह्म में पुलिस श्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया। उनकी सेवाएं राज्य सरकार को नापस सौंप दी गई।

#### दिनांक 24 सितम्बर 1975

सं० पी० एफ० /डी०-10/74 प्रशासन-5—अपने मूल राज्य में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री डी० सी० बाजपेयी, पुलिस-प्रधीक्षक, केन्द्रीय प्रत्येषण ब्यूरो, सामान्य ग्रपराध स्कंध, कलकत्ता ने दिनांक 4 ग्रगस्त, 1975 के ग्रपराह्म में केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में ग्रपने पुलिस श्राधिक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

गुलजारी लाल अग्रवाल, प्रशासन मधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरी

## गृह मन्त्रालय

## महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 सितम्बर 1975

सं० ग्रो॰ II 1031/75 स्थाप त—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस डाक्टर प्राभारा चन्द्रा महापातरा को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में किन्दि चिकित्सा ग्रिधिकारी के पद पर उनको 7 जुलाई, 1975 पूर्वाह्न से नियुक्त करते है।

2. डाक्टर प्र:भास चन्द्रा महापातरा को 45 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है।

## दिनांक 24 सितम्बर 1975

सं० एफ० 2/37/75 स्थापना—राष्ट्रपति, श्री आई० के० सहगल, जो कि डाकतार महानिदेशालय के एक अधिकारी हैं को प्रतिनियुक्ति पर महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के सी० पी० ए० यू० विभाग में सहायक निदेशक (लेखा) के पद पर अगले आदेश जारी होने तक दिनांक 11 सितम्बर, 1974 (पूर्वाह्र) से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्धोपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन)

# महानिरीक्षक का कार्यासय केखीय औद्योगिक सुरक्षा बस

नई दिल्ली-110003, दिनांक 17 सितम्बर 1975

सं० ६०-38013(3)/8/75 प्रशा० I—-दुर्गापुर से स्थाना-तिरत होने पर, श्री के० पी० नायक ने श्री बी० के० चक्रवर्ती के स्थान पर दिनांक 25 श्रगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट, कलकत्ता, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री बी० के० नक्षवर्ती ने उसी दिनांक से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

## दिनांक 20 सितम्बर 1975

सं० ई०-38013(2)/11/75 प्रणा० I—रांची से स्थानान्तरित होने पर, ले० कर्नल जी० सी० एस० बिष्ट, ने दिनांक 3 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत भारी बिद्युत लि० (भारी बिद्युत उपस्कर प्लांट) हरिद्वार, के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-31013(2)/5/74-प्रशासन — राष्ट्रपति, निरी-क्षक एस० सी० जाना को दिनांक 18 ध्रगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल, भारत उर्वरक निगम लिमिटेड, हिन्दिया का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं जिन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया। संव ई०-32015(2)/5/74 प्रशासन I—राष्ट्रपति, निरी-क्षक एन० एस० यादव को विनांक 22 प्रगस्त 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय श्रोद्योगिक सुरक्षा बल, श्रो० जी० पी०, दुर्गापुर, का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं, जिन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई० 32015(3)/1/75 प्रशा०-1—पुनित्युक्ति पर, राष्ट्रपति श्री एर.० एस० भवानन्दम को दिनांक 1 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, मद्रास पोर्ट ट्रस्ट, मद्रास का सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-38013(3)/8/75 प्रशा०-I---कलकत्ता से स्थानानारित होने पर, श्री बी० के० चक्रवर्ती ने दिनांक 1 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीशोगिक सुरक्षा बल पूर्निट, दुर्गपुर स्टोल प्लाट, दुर्गपुर, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/21/75प्रशा०-I—नामरूप को स्थानान्तरित होने पर, श्री पी० पी० मित्रा ने दिनांक 2 सितम्बर, 1975 के श्रपराह्म से केन्द्रीय श्रीखोगिक सुरक्षा बल यूनिट, कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> एल० एस० बिष्ट, महानिरीक्षक

## भारत के महायंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 सितम्बर 1975

सं० 11/7/75 म्रार० जी० (एडी)—-राष्ट्रपति, श्री एच० एल० कल्ला जनगणना कार्य निदेशक, जम्मू एव कश्मीर श्रीनगर के कार्यालय के ग्रन्थेषक को सहायक जनगणना कार्य निदेशक, मध्यप्रदेश, भोपाल के पद पर दिनांक 30 ग्रगस्त 1975 (पूर्वाह्म) से छ मास की ग्रवधि के लिए म्रयश जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, तदर्थ श्राधार पर अस्थाई रूप से महर्ष नियुक्त करते हैं।

 श्री एच० एल० कल्ला का मुख्य कार्यालय भोपाल में होगा।

> बद्री नाथ, भारत के उप-महापंजीकार ग्रौर पदेन उप-संचित्र

## बित्त मन्द्रालय (अर्थ विद्याग) भारत प्रतिभृति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 15 सितम्बर 1975

सं० 936/(ए०)—-दिनांक 31 जनवरी 1975 की vxi असूबता संख्या 3332/(ए०) के क्रम में डा० व्ही० एस० सहस्त्रब्ध्दे, एम० बी० बी० एस० को श्रवर चिकित्सा

न्निधिकारी के पद पर भारत प्रतिभृति मुद्रणालय, श्रस्पताल तदर्थ रुप में उन्हीं गर्लो के साथ 30 सितम्बर, 1975 तक नियुक्त करते हैं।

वि० ज० जोशी, महा प्रबंधक

# भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक

बेंगलुर, दिशांक 8 सितम्बर 1975

सं० स्थापना 1/अ० 4/331—महालेखाकार इस कार्यालय का स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री विश्वनाथ क्षेनाय को उसके वरिष्ठों के दावाओं का अपवृति रहित अगले आदेश जारी होने तक लेखा अधिकारी की पदोक्षति वह उस पद का कार्यभार प्रहण करने का दिनांक से स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> इ० **वि० चंद्रगेखर**न, वरिष्ठ उप-महासेखःकार (प्रशासन)

# कार्यालय महालेखापाल, केरल

विवेन्द्रम, दिनांक 16 सितम्बर 1975

सं० एस्ट०/एन्ट/IV/10-13/164—केरल के महा-लेखापाल के कार्याक्य के लेखा ग्राधिकारी श्री पी० पी० फिलिप 31 ग्रगस्त, 1975 के ग्रपराह्म में ग्रधिवर्ष की ग्रवस्था पाकर सेवानिवृत्त हुए।

श्रार० सी० धई, महालेखापाल

# कार्यालय--मुख्य लेखापरीक्षक, मध्य रेलवे

बम्बई वी०टी०, दिनांक 19 ग्रगस्त 1975

जी० भ्रो० भ्रो० सं० 346 — इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापम लेखा परीक्षा भ्रधिकारियों को उनके सामने दी गई तिथियों से लेखा परीक्षा भ्रधिकारियों के पढ़ों पर पुष्टि की जाती है।

- (1) श्री ए० एन० पंडया--- 1 मार्च, 1975।
- (2) श्री जे० एल० नरसिम्हन्— 1 जून, 1975।

कुलबन्तसिंह, मुख्य लेखा परीक्षक

# कार्यालय-ुड्य लेखापर अक,

दिशा मध्य रेलवे

सिकन्दराबाद, दिनांक 25 भ्रगःत 1975

सं० ए० यू०/ए० रं० एम०/ $\Pi/3/996$ —मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण मध्य रे०ी, सिकन्दर बाद, कृपा-पूवक सर्वश्री सुश्रमन्यम शर्मा भ्रौर एस० केशवन पोट्टी, लेखा परीक्षा भ्रधिकारियों को 1 मार्च, 1.75 से मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण

मध्य रेलवे, सिकन्यराबाद कार्यालय में लेखा परीक्षा श्रधि-कारियों के दो स्थायी पदों पर स्थायी करते हैं।

> कें सी० तोमस, लेखा परीक्षा श्रधिकारी (प्रशासन)

#### रक्षा मन्द्रालय

# भारतीय आर्डनेन्स फॅक्टरियां महानिदेशालय, आर्डनेन्स फॅक्टरियां

कलकत्ता-700069, दिनांक 18 सितम्बर 1975

सं० 2/75/एम०—-राष्ट्रपति जी, डा० एस० के० विश्वास, श्रस्थायी सहायक सर्जन ग्रेड-1, कार्डाइट फैक्टरी, श्रहवान्काडु, को दिनांक पहली फरवरी, 1975 से सहर्ष 1 वर्ष की स्टीकृत करते हैं।

न्नार० एम० मुजुमदार, महानिदेशक, म्रार्डनेन्स फैक्टरिया।

#### वाणिज्य मन्त्रास्य

## मुख्य नियन्त्रकः आयात-निर्यात का कःश्रीसः आयात तथा निर्यात व्यापार नियन्त्रण स्थापना

नई दिर्ला, विनांक 15 सितम्बर 1975

सं० 6/744/65-प्रशा० (राज०)/10097---राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री पी० सी० एस० पिस्सुरलेंकर को 3 श्रत्रैल, 1075 से 17 जून, 1975 तक की श्रवधि के लिए उसी कार्यालय में उप-मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 16 सितम्बर 1975

सं० 6/111/54-प्रशा० (राज०)/10190----राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रवरण वर्ग में स्थानापन्न ग्राधिकारी, श्री के० एल० माथुर को मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 26 जुलाई, 1975 से 8 ग्रास्त, 1975 तक की ग्रीर ग्रवधि के लिए संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

#### विनांक 19 सितम्बर 1975

सं० 6/1075/75-प्रशा० (राज०)/10196~--केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग-1 में स्थानापन्न प्रधिकारी, श्री एम० बी० तबाडे ने सेवा निवर्तन श्रायु होने पर, 31 श्रगस्त, 1975 के श्रपराह्म को उप-मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात के पद का कार्य-भार इस कार्यालय में सौप दिया।

बी० डी० कुमार, मुख्य नियन्त्रक, म्रायात-निर्यात

#### नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1975

सं० 6/1078/75-प्रशा० (राज०)/10119---मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात-निर्यात, श्री गिरिवरधारी सिंह, वरिष्ठ ग्रनुवादक (हिन्दी) को 25 ग्रगस्त 1975 (पूर्वाह्म) से 3 महीनों की श्रवधि के लिए इस कार्यालय में बिलकुल अस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर हिन्दी श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> ए० टी० मुखर्जी, उप-मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात, इते मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात

## बस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 23 सितम्बर 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2 (635)— वस्त्र श्रायुक्त, श्रपने कलकत्ता स्थित प्रादेशिक कार्यालय के तकनीकी ग्रन्वेषक श्री मतीन्द्र मोहन चक्रवर्ती को 4 श्रगस्त 1975 के पूर्वाह्म से, श्रन्य श्रादेश होने तक, बुनकर सेवा केन्द्र वाराणसी में सहायक निदेशक, वितीय श्रेणी (नान-टेकनीक्ल) के पद पर सहर्षं नियुक्त करते हैं।

> वीरेन्द्र बहादुर वर्मा, उप निदेशक (प्रशासन)

## पूर्ति विभाग

# पूर्ति तथा नियटान महानिवेशालय

## (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, विनांक 18 सितम्बर 1975

सं० प्र०-6/247 (262)/60—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 के ग्रेड-II की इंजीनियरी शाखा में उप निदेशक, निरीक्षण श्री ए० एन० कम्पानी दिनांक 31 ग्रगस्त 1975 के ग्रंपराह्म से निवर्तन ग्रायु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

कें० एल० कोहली, उप निदेशक (प्रशासन) **कुर**े महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

# इस्पात और खान मन्त्रालय (खान विभाग)

# भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 15 सितम्बर 1975

सं० 6180/बी०/40/59/एन० जी०/19ए—भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक ग्रधिकारी श्री एन० गुष्टराजैय्याह् को उनके मूल विभाग में परावर्तन पर, 7 ग्राप्रैल, 1974 के श्रपराह्न से मुक्त किया गया है।

#### दिनांक 20 सितम्बर 1975

सं० 6309/बी०/4/72/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भण्डार श्रधीक्षक (तकनीकी) श्री जी० एन० चोपड़ा को सहायक भण्डार श्रधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, श्रस्थाई क्षमता में, श्रन्य श्रादेश होने तक, 4-8-1975 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

र्बा० के० एस० वरदन, महा निदेशक

# भारतीय सामव विज्ञाम सर्वेक्षण भारतीय संग्राहालय

कलकत्ता-700013, दिनांक सितम्बर 1975

सं० 4-110/75-स्था०--भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के निवेशक, श्री मधु सूधन दत्त को 11 ग्रगस्त, 1975 के पूर्वाह्म से श्रगले ग्रादेशों तक ग्रस्थायी तौर पर शिकांग स्थित इस सर्वेक्षण के उत्तर-पूर्वी भारत स्टेशन में सहायक कीपर के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थागस वरिष्ठप्रशासनिक श्रधिकारी

# भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेकक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 19 सितम्बर 1975

सं० ई० I-4998/698-मानिन्न संग्रहालय ग्रध्यक्ष--श्री ए० बी० सरकार, जिन्हें इस कार्यालय की श्रिधसूचना सं० सी-4805-698-मानिन्न ग्रिभरक्षक दिनांक 1 फरवरी, 1974 के ग्रधीन 17 दिसम्बर, 1973 से मानिन्न ग्रिभरक्षक (सा० के० से० श्रेणी II) पूर्वी सॉकल, कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, में तद्दर्थं ग्राधार पर नियुक्त किया गया था, की तदर्थं ग्राधार पर की गई नियुक्ति 30 जून, 1975 (ग्रपराह्म) से समाप्त की जाती हैं।

हरी नारायण भारत के महास**र्वेक्ष**क

## देहरादून, दिनांक 20 सितम्बर 1975

सं० ईI-5001/11/7-एल० पी० ग्रार०--भारत के महा-सर्वेक्षक, श्री एच० एल० नन्दा, स्थापना एवं लेखाधिकारी (स्था-नापन्न) भारतीय फोटो-निर्वाचन संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरांदून, को दिनांक 31 ग्रगस्त, 1974 (ग्रपराह्न) से सेवा निवृत्त होने की सहर्ष ग्रनुमति देते हैं।

सं० ई I-5002/1117-एल० पी० श्रार०---भारत के महा-सवक्षक, श्री हरि सरन, ग्रधिकारी सर्वेक्षक (स्थानापक्ष) सं०1 ग्रारेखण कार्यालय (म० प्र०) भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून, को दिनांक 31 जुलाई 1974 (ग्रपराह्न) से सरकारी सेवा से नियुत्त होने की सहर्थ श्रनुमति देते हैं।

> जे० के० डोनाल्ड सहायक महासर्वेक्षक

#### अकाशबाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1975

सं० 6(63)/63-एस० एक---श्री च० प्रसाद राव तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाणवाणी, विशाखापटनम ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के श्रराजयन्तित पद पर श्रयना परावर्तन होने के फलस्वरूप 30 जून, 1975 के ग्रपराह्म में ग्रपने पद का कार्यभार त्याम दिया।

सं० 6(110)/73-एस-एक-श्री पी० टी० मैथ्यू तर्वर्षं कार्यक्रम निष्पादक, प्राकाशवाणी, पणजी ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के प्रराजयित पद पर ग्रपना परावर्तन होने के फलस्वरूप 30 जून, 1975 के ग्रपराह्म में ग्रपने पद का कार्यभार त्याग विया।

सं० 6(128)/63-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी; एतद्द्वारा श्री एम० एस० श्रीहरि, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, बंगलौर को 30 जून, 1975 से अप्रेतर धावेशों तक, आकाशवाणी के उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(86)/67-एस-एक-शी ब्राई० बार० मोहनराव, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, ब्राकाशवाणी, विशाखापटनम ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के ब्रराजपितत पद पर धपना परावर्तन होने के फलस्वरूप 30 जून, 1975 के ब्रपराह्म में धपने पद का कार्य-भार त्याग दिया।

सं० 4/13/75-एस-एक—महानिदेशक, श्राकाणवाणी, एतद्द्वारा श्री वी० आर० पटवर्धन को पहली अगस्त, 1975 से अग्रेतर श्रावेशों तक, श्राकाशवाणी, बस्बई में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

## दिनोक 22 सितम्बर 1975

सं० 4(53) 75-एस-एक---महानिवेशक, धाकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री भारत रत्न भागेंव को 29 जुलाई, 1975 से अमेतर ब्रादेशों तक, धाकाशवाणी, नई दिल्ली में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> शान्ति लाल प्रशासन उपनिदेशक इस्ते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1975

सं० 2/4/75-एस०-तीन:—महानिदेशक, ग्राकाशवाणी, एतद्वारा निम्नलिखित ग्रधिकारियों को ग्राकाशवाणी के सहायक इंजीनियर के संवर्ग में उनके नामों के ग्रागे उल्लिखित तरीख से ग्रयेनर ग्रादेशों तक उनके नामों के ग्रागे लिखे ग्राकाशवाणी के केन्द्रों/कार्यालयों में स्थानापन्न पदक्षमता में नियुक्त करते हैं

 फ्र∘ सं∘	ग्रधिकारी का नाम	केन्द्र/कार्यालय जहां तैनात	नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4

- श्री भार० एस० वी० भाकाशवाणी, भद्रावती 26-8-75 सूर्यनारायण मूर्ति
- 2. श्री ग्रशोक कुमार मोयल ग्राकाशवाणी, लखनऊ 13-8-75

(1)	(2)	(3)	(4)
3.	श्री परमजीत सिंह	दूरदर्शन केन्द्र, ग्राकाशवाणी, करुकत्ता	27 <del>-</del> 8-75
4.	श्री भार० सुभुराज .	ग्राकाशवाणी, बंगलौर	5-9-75
5.	श्री बिजित पुरकायस्थ	<mark>म्राकाशवाणी, क</mark> ्ष <i>ा</i> त्ता	13-8-75
6.	श्री <b>भव</b> तार कृष्ण टिक्कू	<b>सूरदर्शन</b> केन्द्र,	5-9-75
	•	म्नाकाशवाणी, श्रीनगर	
7.	श्री भतुल सेठ .	दूरदर्शन केन्द्र,	3-9-75
		न्नाकाणवाणी <i>,</i> कर: क्ला	Г
8.	श्री मार० कुमारवेलु .	दूरदर्शन केन्द्र,	1 4-8-75
		भ्राकाशवाणी, मद्रास	
9.	श्री सी० बालचन्द्रन पिल्लैं	दूरदर्शन केन्द्र,	23-8-75
		भ्राकाशवाणी, मद्रास	
10.	श्री सुरजीत सिंह विन्द्रा	दूरदर्शन केन्द्र,	27-8-75
		द्याकाशवाणी, कलकत्त	Γ
11	श्री छिबराज सिंह 🔠 🚬	दूरदर्शन केन्द्र,	5-9-75
		ग्राकाशवाणी, कलकत्त	Т
1 2.	श्री सत्य पाल .	म्राकाशवाणी, भोपाल	1-9-75
1 3.	श्री ग्ररण पाहवा .	दूरदर्शन केन्द्र,	1-9-75
	·	्र भ्राकाशवाणी, श्रीनगर	
14.	श्री श्री एस० सी० स्द	ग्राकाशवाणी,कलकत्ता	20-8-75
15.	श्री बी० प्तमिल वामन	दूरवर्शन केन्द्र,	1-9-75
		माकाशवाणी, मद्रास	
16.	श्री धर्मदेव मेंचनानी .	ध्राकाशवाणी, बम्बई	5-9 <del>-</del> 75
17.	श्री के० एस० पी० एस०	उच्च शक्ति प्रेषित्न,	4-9-75
	तोमर	श्चाकाशवाणी, श्रलीगर्	5

प्रेम कुमार सिन्हा, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

# सूचना और प्रसारण मन्त्रालय फिल्म प्रमाग

बम्बई-400026, दिनांक 23 सितम्बर 1975

सं ० ए०-19012/1/75-सिध्यंदी-र्:--फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री के० जगजीवनराम को फिल्म प्रभाग नई दिल्ली में कैमरामेन के पद पर दिनांक 23 धगस्त, 1975 से नियुक्त किया है।

> एम० के० जैन, सहायक प्रशासकीय ग्रधिकारी, **कृते** प्रमुख निर्माता

## स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1975

सं० 41-84/75-डी०---राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशालय, नई विल्ली में सहायक घौषध नियन्त्रक (भारत) श्री बी० एल० नायक को 10 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से स्नागामी भादेशों तक केन्द्रीय श्रीषध मानक नियन्त्रण संगठन, पश्चिम क्षेत्र, बम्बई में उप श्रीषध नियन्त्रक (भारत) के पद पर नियुक्त किया है। श्रार० बालासुत्रमनियम, उप श्रीषध नियन्त्रक (भारत), इस्ते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

## नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1975

सं० 16-17/74-एस०-1 — राष्ट्रपति, श्री वाई० के० अग्रवाल को चिकित्सा सामग्री संगठन के श्रन्तगत चिकित्सा सामग्री भंडार, करनाल में ग्रागामी श्रादेशों तक तदर्थ श्राधार पर उपसहायक महानिदेशक (चिकित्सा भंडार) के रूप में सहर्थ नियुक्त करते हैं।

संगत सिंह, उप सहायक प्रशासन (भंडार)

#### नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1975

सं० 35-1/75-सी० एच० एस०-1 — प्राप्ते तबादले के परिणामस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ग्रो० ग्रेड-2 के ग्रिधकारी डा० सतीण कुमार ने 4 ग्रागस्त 1975 के पूर्वाह्म को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना नई दिल्ली के ग्रन्तर्गत कनिष्ठ चिकित्सा ग्रिधकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया ग्रीर 4 ग्रागस्त, 1975 के पूर्वाह्म से वर्तमान गर्तों पर उसी रूप में सफदरजंग ग्रस्पताल नई दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ग्रो० ग्रेड-2 के पद का कार्यभार संभाल लिया।

रवीन्द्र नाथ तिवारी, उप निदेशक प्रशासन

#### नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1975

सं० 17-31/72-एडमिन-1—पश्चिमी क्षेत्र बम्बई, में उन ग्रोषध नियंत्रक (भारत) के पद पर ग्रपनी नियुक्ति के परि-एएमस्वरूप श्री डी० एल० नायक ने 1 सितम्बर, 1975 के ग्रपराह्म में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक श्रीषध नियंत्रक (भारत) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> सूरज व्रकाश जिन्दल, उप निदैशक (प्रशासन)

# जिख एत्रं सिचाई अन्त्रालय (कृषि विभाग) कृषि विभागन निवेशालय

नई दिल्ली, विनांक 19 सितम्बर 1975

सं० 1-27/75-प्रशासन-1 — श्री कृष्ण लाल जो कृषि विमानन निदेशालय में सहायक प्रशासन ग्रधिकारी (वेतनमान कृष्ण 650-1200) के पद पर काम कर रहे थे को 16 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से उसी निदेशालय में पुनः ग्रधीक्षक (वेतनमान कृष्ण 550-700) के पद पर वापिस नियुक्त किया जाता है।

एस० साहनी, निदेशक कृषि विमानन निदेशालय

#### विस्तार निवेशास्य

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1975

मि० सं० 2(4)/74-स्थापना -(1)--संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश के स्राधार पर विस्तार निदेशालय के स्थाना-पन्न सहायक प्रविश्वानी स्रिधिकारी श्री पी० के० कोले की विस्तार निदेशालय, कृषि तथा सिचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1100-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक पशुधन अधिकारी, सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी दितीय (राजपतित) (श्रलिपिक वर्गीय) के पद पर 8 सितम्बर 1975 के पूर्वाह्म से लेकर श्रधिक से प्रधिक तीन वर्ष की श्रवधि तक प्रति नियुक्ति की जाती है।

## दिनांक 17 सितम्बर 1975

मि० सं० 2(6)/71-स्थापना (1)—ेश्री कृष्ण लाल इस्सर, जो विस्तार निदेशालय, कृषि तथा सिचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) में स्थानापन्न विशेष श्रिधिकारी (परियोजना) द्वितीय श्रेणी (राजपद्वित) (श्रिलिपिक वर्गीय) के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ रूप से कार्य कर रहे उसी पद पर 31 श्रगस्त, 1975 से ग्रागे 31 दिसम्बर, 1975 तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने में से जो भी पहले हो, तक स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहेंगे।

निर्मल कुमार दत्त, प्रशासन निदेशक

# (ग्रामीण विकास विभाग) विपणन एवं निरीक्षण मिदेशालय (प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1975

सं० फा० 4-5(46)/74 ए०-्री-- 58 वर्ष की भ्रायु पूर्ण करने पर श्री भ्रो० एन० गर्ग, विपणन श्रधिकारी, लखनऊ दिनांक 31 जुलाई, 1975 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

#### दिनांक 16 सितम्बर 1975

सं० फाइल 1/169/71-प्रशा०-I --- विभागीय प्रोन्नति सिमिति की संस्तुतियों के प्रमुसार सर्वे श्री जी० डी० भोगले और एम० एन० धूमे, जो तदर्थ श्राधार पर उप-वरिष्ठ विपणन, ग्रिधिकारी वर्ग-द्वितीय हैं, दिनांक 23 श्रगस्त, 1973 से श्रगले ग्रादेश होने तक नियमित श्राधार पर स्थानापन्न उप-वरिष्ठ विपणन श्रिधिकारी, वर्ग II, नियुक्त किए गए हैं।

एन० के० मुरलीधर राव, कृषि विपणन सलाहकार

# परमाणु ऊर्जा विभाग (ऋय एवम् भंडार निवेशालय)

बम्बई-400001, विनांक 9 सितम्बर 1975

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/75/स्थापना/1067— इस निदेशालय की दिनांक 25 जुलाई, 1975 की समसंख्यक मिधिसूचना के अनुक्रम. में क्रव एवं भंडार निदेशक, गुजरात के महालेखापाल के कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री वी० आर० नटराजन की, जो इस निदेशाक्ष्य में प्रतिनियुक्त हैं, उसी निदेशालय में 1 अगस्त, 1975 से 30 सितम्बर, 1975 तक की और अधिक अवधि के लिए तदर्थ आधार पर अस्थायी सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के**० पी० जोस**क, प्रशासन **प्रधिकारी** 

## बिद्युत परियोजना इंज**ंनियरी प्रमा**ग

ब-बई-400005, दिनांक 17 सितम्बर 1975

संवर्गा परिवर्गा ईव डीव/3(236)/75-प्रशासन/1088— विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, एतद्-द्वारा इस प्रभाग के विज्ञान सहायक "बीव" श्री सीव मारीचामी को 1 ग्रगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश तक के लिए उसी प्रभाग में श्रस्थायी रूप से विज्ञान-ग्रिधकारी/इंजीनियर-ग्रेड एसव बीव नियुक्त करते हैं।

सं० पी० पी० ई० डी०/4 (236)/75-प्रशासन/1099--विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, एतद्द्वारा
भाभा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र के ग्रस्थायी नक्शानवीस "सी०"
श्री एस० जी० ग्रावते को, जो इस प्रभाग में (बिना प्रतिनियुक्ति
भंत्ते के) प्रतिनियुक्त हैं, 1 ग्रगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से ग्रागामी
ग्रादेश तक के लिए उसी प्रभाग में ग्रस्थायी रूप से विज्ञान-ग्रधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

जी० एस० खुराना, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी, कृते निदेशक

# (परमाणु खनिक प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 19 सितम्बर 1975

सं० ए० एम० डी०-1/18/75-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री विनय भल्ला को 15 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से लेकर ग्रागामी ग्रादेश होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक ग्रधिकारी/इंजीनियर (भूविज्ञान) ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

> एस० रंगनाथन, वरिष्ठ प्रशासन एवं ले<mark>खा प्र</mark>धिकारी, **हस्ते** निदेशक

## महानिद्देशक नागर विमान का कार्यालय

नई दिल्ली-110022, दिनांक 22 सितम्बर 1975

सं० ए० 32014/2/74-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्निलिखित संचार सहायकों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखीं से अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के बैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप से सहायक संचार भ्रधिकारी के पद पर नियक्त किया है।

कम संख्या	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्टेशन
1. শ্বী	एस० डी० चोपड़ा		वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई
2. প্র	ा एस० शंकरनारायण		वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई

#### दिनांक 22 सितम्बर 1975

सं० ए० 12025/5/75 ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से ध्रगले भावेश होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में भ्रस्थायी रूप में संचार श्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है:—

नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्टेशन  कार्यालय
1. श्री धर्मवीर सिंह दहिया	22-8-1975 (पूर्वाह्न)	वैभानिक संचार, स्टेशन सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।
2. श्री ईश्वर दयाल शर्मा		वैमानिक संचार, स्टेशन, कलकत्ता एयरपोर्ट, क्यदम
3. श्री उमेश कुमार्]		वैमानिक संचार टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।

## दिनांक सितम्बर 1975

सं० ए० 12025/4/75 ई० सी०—-राष्ट्रपति ने श्री मोहिन्दर कुमार सेठ को 25 ग्रगस्त, 1975 (पूर्वाह्म) से ग्रगसे ग्रावेश जारी होने तक रेडियो निर्माण ग्रौर विकास पूनिट, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में ग्रस्थायी रूप में तकमीकी ग्राधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

हरबंस लाल कोहली, उपनिदेशक प्रशासन

## नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1975

सं० ए० 32013/1/75-ई० (एय०) — राष्ट्रपति ने श्री एस० मजूमदार, नियंक्षक संचार को 9 सितम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेश होने तक नागर विमानन विभाग में, बम्बई क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक के पद पर नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन, सहायक निदेशक प्रशासन

# केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर, 1975

# सीमाशुल्क/सिब्बंदी

सं० 14/75—श्री एस० इ० हेइडन, स्यायी वरिष्ठ निवारक ग्रिधिकारी सीमाणुल्क घर, कोचीन, की पदोक्षति स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के पद पर, कोचीन सीमाणुल्क घर में ग्रादेश सं० 126/75 दिनांक 15 जुलाई, 1975 के ग्रनुसार की जाती है। उन्होंने दिनांक 17 जुलाई, 1975 की प्रविद्व से ग्रपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० 15/75—श्री बी० लोकनाथन, स्थायी वरिष्ठ निवारक ग्रधिकारी सीमाणुल्क घर, मद्रास, की पदोन्नति स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के पद पर मद्रास सीमाणुल्क घर में, ग्रादेश सं० 125/75 दिनांक 15 जुलाई, 1975 के ग्रनुसार की जाती है। उन्होंने दिनांक 15 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से श्रपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० 16/75—श्वी एस० राममूर्ति, स्थायी वरिष्ठ निवारक ग्रिधिकारी, सीमाशुल्क घर, मद्रास, की पदोन्निति स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के पद पर, ग्रादेश सं० 124/ 75 दिनांक 15 जुलाई, 1975 के ग्रनुसार, मद्रास सीमा-शुल्क घर में की जाती है। उन्होंने विनांक 15 जुलाई, 1975 को पूर्वाह्म से श्रपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० 17/75—श्री पी० विजयराम, स्थायी वरिष्ठं निवारक श्रधिकारी, सीमाशुल्क घर, कोचिन, की पदोन्नति स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के पद पर, कोचीन सीमाशुल्क घर में श्रादेश सं० 126/75 दिनांक 15 जुलाई, 1975 के श्रनुसार की जाती है। उन्होंने दिनांक 11 श्रगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से श्रपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

जी० शंकरन सीमागुल्क समाहर्ता,

## शिलांग, दिनांक 10 सितम्बर 1975

सं० 2/75—केन्द्रीय श्राबकारी कलक्टरेट शिलांग के स्थायी निरीक्षक (चुनाव ग्रेड) श्री श्रार० श्रार० चौधुरी को श्राग्ले श्रादेश जारी होने तक स्थापन्न रूप में केन्द्रीय श्राबकारी प्रधीक्षक (श्रणी H) नियुक्त किया गया। श्री श्रार० श्रार० चौधुरी ने केन्द्रीय श्राबकारी के श्रधीक्षक के रूप में दिनांक 11 श्रगस्त, 1975 पूर्वाञ्च में श्रागरतला में कार्य-भार संभाला।

सं० 3/75—केन्द्रीय ग्रावकारी कलक्टरेट शिलांग के स्थायी निरीक्षक (चुनाव ग्रेड) श्री निर्मलेन्द्र धर को ग्रगले श्रादेश जारी होने तक स्थापन्न रूप में केन्द्रीय ग्रावकारी ग्रिधिक्षक (श्रेणी II) नियुक्त किया गया। श्री निर्मलेन्द्र धर ने केन्द्रीय ग्रावकारी के ग्रिधीक्षक के रूप में दिनांक 18 ग्रगस्त 1975 पूर्वाह्म में गौहाटी में कार्यभार संभाला।

सं० 4/75—केन्द्रीय प्रावकारी कलक्टरेट शिलांग है के स्थायी निरीक्षक (चुनाव ग्रेड) श्री सदानन्द बरूबा को ग्रगले हैं प्रादेश जारी होने तक स्थापन्न रूप में केन्द्रीय ग्राबकारी मधीक्षक (श्रेणी-II) नियुक्त किया गया। श्री सदानन्द बरूबा ने केन्द्रीय ग्राबकारी के ग्रधीक्षक के रूप में दिनांक 18-8-75 पूर्वा स्वासागर में कार्यभार संभाला।

सं० 5/75—केन्द्रीय श्राबकारी कलक्टरेट शिलांग के स्थायी निरीक्षक (चुनाव ग्रेड) श्री दि० एम० चन्द को ग्रगले ग्रादेश जारी होने तक स्थापन्न रूप में केन्द्रीय ग्राबकारी ग्रधीक्षक (श्रेणी II) नियुक्स किया गया। श्री दि० एम० चन्द ने केन्द्रीय ग्राबकारी ग्रधीक्षक के रूप में दिनांक 1 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्म में शिलांग में कार्यभार संभाला।

एस० सी० नियोगी समाहर्ता, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

## इलाहाबाद, दिनांक 16 ग्रगस्त 1975

सं० 106/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुरुक समेकित मंडल कार्यालय, बरेली में तैनात एवं आगामी आदेश होने तक इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3)2/स्था०/75/28088, दिनांक 31 जुलाई, 1975 के अंतर्गत जारी किये गये स्थापना आदेश संख्या-212/1975, दिनांक 30 जुलाई, 1975 के अनुसार रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में स्थानापन्न प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी दो के रूप में नियुक्त श्री जगदीश प्रसाद तियारी, स्थानापन्न निरीक्षक (चयन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने दिनांक 16 अगस्त, 1975 को दोपहर से पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मंडल कार्यालय, मिरजापुर में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी दो के कार्यालय का कार्यकार ग्रहण कर लिया।

सं० 131/1975—केन्द्रीय उत्पादन सुल्क समेकित मंडल कार्यालय, रामपुर में तैनात एवं प्रागामी भावेश होने तक के लिये इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या-दो(3) 2-स्था०/75/28088-विनांक 31 जुलाई, 1975 के अन्तर्गंत जारी किये गये स्थापना भादेश संख्या 212/1975, दिनांक 30 जुलाई, 1975 के अनुसार ६० 650-30-740-35-810 व० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन मुल्क श्रेणी दो के रूप में नियुक्त श्री कान्ति कृष्ण पाठक, स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुक्क ने दिनांक 4 अगस्त, 1975 को दोपहर से पहले केन्द्रीय उत्पादन शुक्क समेकित मण्डल कार्यालय, रामपुर के अन्तर्गंत अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन मुक्क कार्यालय, रामपुर के अन्तर्गंत अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन मुक्क कार्यालय, रामपुर के अन्तर्गंत अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन मुक्क श्रेणी दो, अमरोहा के कार्यालय का आर्यभार ग्रहण कर लिया। श्री आर्र० डी० सिंह, अधीक्षक, केन्द्रीय

उत्पादन मुक्त श्रेणी दो उसी दिन स्रौर समय से श्रपने पद के श्रतिरिक्त कार्य भार से मुक्त हो गये।

#### दिनांक 18 सितम्बर 1975

सं० 112/1975—पहले केन्द्रीय उत्पादन शुरूक समेकित मंडल कार्यालय सीतापुर में प्रधीक्षक (निवारक) के रूप में तैनात श्री एस० एस० निगम, स्थानापन्न श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुरूक श्रेणी दो, ने दिनांक 31 श्रगस्त, 1975 को (दोपहर के बाद) केन्द्रीय उत्पादन शुरूक समेकित मंडल कार्यालय सीतापुर के श्रधीक्षक (निवारक) के कार्यालय का कार्यभार श्री जगदीश प्रसाद श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुरूक, श्रेणी दो, को सौप दिया श्रीर उसी तारीख धौर समय से सरकारी सेवा से मकत हो गये।

एच० बी० दास, समाहती केन्द्रीय उत्पादन शुरुक

#### मिरीक्षण निवेशासय

## सीमा तथा केन्त्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1975

सं012/75 (सी० सं0 1041/36/75) — श्री के० पी० राय चौधरी ने, जो कि पिछले दिनों, केन्द्रीय उत्पादन शुक्क समाहर्तालय कलकत्ता, में सहायक समाहर्ता के पद पर नियुक्त चे, श्री के० श्रार० घोष के स्थानीतरित हो जाने पर दिनांक 12 सितम्बर, 1975 के दोपहर पूर्व से निरीक्षण निदेशालय सीमा शुक्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुक्क के पूर्वी प्रादेशिक यूनिट कलकत्ता में प्रभारी निरीक्षण श्रधिकारी के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

बलदेव सहाय चावला, निरीक्षण निदेशक, सीमा शुरुक तथा केन्द्रीय उत्पादन शुरुक

#### नारकोदिक्स विभाग

#### ग्वालियर-474006, विनोक 17 सितम्बर 1975

सं० 25—श्री एस० एन० शिवे स्थानापन्न प्रधीक्षक, श्रेणी II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क को, जो पहले मन्दसौर प्रभाग-1 में जिला प्रफीम प्रधिकारी के रूप में तैनात थे, दिनांक 1 जनवरी, 1975 से ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 810.00 रु० के चरण पर दक्षतारोध पार करने की श्रमुमति वी जाती है।

सं० 26—नागपुर समाहर्तालय से स्थानान्तरण पर श्री बी० पी० रेखडे, श्रधीक्षक श्रेणी II केन्द्रीय उत्पावनशुल्क ने 11 श्रगस्त, 1975 के बोपहरपूर्व से श्री सन्तोख सिंह के स्थान पर जिला श्रफीम श्रधिकारी प्रताबगढ़ का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री सन्तोख सिंह का स्थानान्तरण हो गया है।

सं० 27—इलाहाबाद समाहर्तालय से स्थानान्तरण पर श्री ए० पी० माथुर, ग्रधीक्षक श्रेणी II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने 16 ग्रगस्त, 1975 के दोपहरबाद से श्री यू० सी० वर्मा के स्थान पर जिला ग्रफीम ग्रधिकारी, बारावंकी प्रभाग II का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री यू० सी० वर्मा का स्थानान्तरण हो गया है।

सं० 28—पदोन्नति तथा जोखिम बीमा योजना निदेशा-लय, कानपुर से स्थानान्तरण पर नागपुर समाहर्तालय के श्री जी० सी० लाल ने 7 ग्रगस्त, 1975 के दोपहरबाद से श्री बी० एन० राय के स्थान पर जिला ग्रफीम ग्रधिकारी, सिलहर, जिला शाहजहांपुर, का कार्यभार संभाल लिया। श्री राय का स्थानान्तरण हो गया है।

सं० 29—श्रकलेरा प्रभाग से स्थानान्तरण पर श्री गोरख नाथ, जिला ध्रफीम घ्रधिकारी ने 4 श्रगस्त, 1975 के दोपहरबाद को, श्री डी० बी० शर्मा के स्थान पर, गाजीपुर में श्रधीक्षक (कार्यपालक) का कार्यभार संभाल लिया। श्री श्री० बी० शर्मा का स्थानान्तरण हो गया है।

सं० 30—गाजीपुर से स्थानान्तरण पर, श्री डी० बी० मार्मा, ग्राधीक्षक (कार्यपालक) ने 13 ग्रागस्त, 1975 के दोपहरबाद को श्री जी० डी० पी० सिन्हा को उनके ग्रातिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए, जिला ग्राफीम ग्राधिकारी, चित्तौड़-गढ़ प्रभाग II का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 31—भीलवाड़ा प्रभाग से स्थानान्तरण पर, श्री जी० डी० पी० सिन्हा, जिला ध्रफीम घ्रिकारी ने 28 ध्रगस्त, 1975 के दोपहरपूर्व को ग्वालियर स्थित नारकोटिक्स ध्रायुक्त के कार्यालय में ग्रधीक्षक (कार्यपालक) का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 32—श्री यू० सी० वर्मा मधीक्षक, श्रेणी II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क को, जो बाराबंकी प्रभाग II में जिला मफीम मिक्रकारी के रूप में तैनात थे, दिनांक 1 नवम्बर, 1974 से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, 810.00 रु० के चरण पर दक्षतारोध पार करने की भ्रनुमित दी जाती है।

म्रभिलाप गंकर नारकोटियस ग्रायुक्त

#### केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 16 सितम्बर 1975

सं० क०-19012/70/71-प्रशा० 5—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूभौतिक विज्ञानी (कनिष्ठ) के रूप में चयन किए जाने के परिणाम-स्वरूप श्री कृष्णा नन्द को 2 अगस्त, 1975 के अपराक्ष से केन्द्रीय जल श्रोर विद्युत श्रनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-भौतिक ग्रुप) के पद भार से मुक्त कर दिया गया है।

## दिनांक 19 सितम्बर 1975

सं० 32014/2/70-प्रशा० 5 (खंड-4)—विभागीय पदोन्नित समिति (श्रेणी-2) की सिफारिसों पर, प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग ग्रयने प्रसाद से श्री मगत राम को जो सहायक निदेशक के पद पर तदर्थ रूप में कार्य कर रहे हैं, केन्द्रीय जल जायोग में ग्रसिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक ग्रनुसंधान ग्रधिकारी (इंजीनियरी) के पदअम में नियमित रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० -40-1200 रूपये के वेतनमान में 15 सितम्बर, 1972 से स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

श्री मंगत राम को सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/ सहायक श्रनुसंधान श्रधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में उपर्युक्त तारीख से दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर समझा जाएगा।

#### विनांक 23 सितम्बर 1975

सं० क०-31014/2/74-प्रशा०-5--प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग ग्रपने प्रसाद से निम्नलिखित ग्रधिकारीयों को केन्द्रीय जल ग्रायोग में सहायक ग्रनुसंधान ग्रधिकारी (वैज्ञानिक-गणित ग्रुप) के पदकम में प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं:--

क्रम स०	श्रिधिकारी का नाम	तारीख जब से स्थायी रूप में नियुक्ति की गई है
	स्वर्गीय श्री जी० डी० खाटवक डा० के० एन० कस्याल	र 7 श्रगस्त, 1972 7 श्रगस्त, 1972

सं० क०-31014/2/74-प्रशा०-5----प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग ग्रपने प्रसाद से निम्नलिखित ग्रधिकारियों को केन्द्रीय जल ग्रायोग में सहायक अनुसंधान ग्रधिकारी (वैज्ञानिक-भौतिकी ग्रुप) के पदकम में प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं:---

कम संख्या	श्रधिकारी का नाम		से स्थायी की गई है	
2. 約 3. 約 4. 約	एम० एन० रामकृष्णरा कृष्णा नन्द पी० जे० देसाई एम० बर्देवान जी० वी० राव	22 22 22		1971 1971 1971

सं० क-31014/2/74-प्रशा०-5-—-प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल प्रायोग ध्रपने प्रसाद से निम्नलिखित ध्रधिकारियों को केन्द्रीय जल प्रायोग में सहायक भनुसंधान ध्रधिकारी (वैज्ञानिक-

रसायन ग्रुप) के पदकम में प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं:--

	तारीख जब से स्थायी रूप में नियुक्ति की गई है
1. श्री जे०टी० करीरा	<b>4 श्रक्तूबर</b> , 1967
2. श्रीडी० के० सुंडु	22 ग्रम्तूबर, 1971
3. श्रीएस० के० गर्मा	26 श्रक्तूबर, 1971
4. श्री जी० डी० गुप्ता	30 दिसम्बर, 1971

के० पी० बी० मेनन, श्रवर सचिव, क्रते ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग

## सवारी डिब्बा कारखाना

मद्रास-600038, दिनांक 22 सितम्बर 1975

सं पी०बी०/जी०जी०/9/मिस०-II--श्री एन० बलरामन स्थानापम सहायक लेखा प्रधिकारी (श्रेणी-II) ने जो प्रब भारत हैं वी इलैक्ट्रीकल्स लिमिटेड, तिरुचिरापरूली में प्रतिनियुक्त हुए हैं, त्याग पत्न पेश किया जिसे दिनांक 3-7-75 के पूर्वाह्न से स्वीकार किया गया है।

श्री एस० शंकरिलगम, स्थानापन्न वरिष्ठ बिजली इंजी-नियर/श्रनुसंरक्षण (व०मा०) (तदर्थ) को दिनांक 12-8-1975 से रिवर्ट किया गया श्रीर उन्हें श्रस्थाई सहायक निर्माण प्रबंधक/ (बिजली) के पद पर तैनात किया गया।

श्री सी० एस० वेंकटरामन, स्थानापन्न सहायक भंडार नियंत्रक (खरीद/शैल) (श्रेणी-II) की स्थानापन्न रूप से दिनांक 1-9-1975 से जिला भंडार नियंत्रक (खरीद/फर्निशिंग) (व० मा०) (तद्यें) के पद पर पदोन्नति की गई है।

श्री एस० बालसुन्नमिण्यन, स्थानापन्न भंडार निरीक्षक (श्रेणी-III) को दिनांक 2-9-1975 से स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार नियंत्रक (खरीद/शैल) (श्रेणी-II) के पद पर पदोन्नित की गयी है।

श्री पी० वी० राममूर्ति, स्थानापन्न ग्रितिरिक्त मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (व०प्र० स्तर-II) की दिनांक 5-9-1975 से स्थानापन्न मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (व०प्र० स्तर-I) के पद पर पदोन्नति की गयी है

श्री ए० के० गणेश, स्थानापन्न सहायक निर्माण प्रबंधक एम०/एस० (श्रेणी-II) को दिनाक 11-9-1975 के ग्रपराह्म से श्रेणी-III सेवा को रिवर्ट किया गया है।

> एस० सुक्रमणियन, उप मुख्य कार्मिक प्रधिकारी कृते महाप्रबन्धक

#### उसर रेसवे

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1975

सं० 9--परिवहन (यातायात) श्रीर वाणिज्य विभाग के तीसरे दर्जे के निम्नलिखित कमचारियों को उनके ही विभागों में, उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से दर्जा-II में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है:--

(i) श्रीके०एल०सभ्रवाल	25-6-75
	पूर्वाह्न
(ii) श्रीएन०सी०सोती	27-5-75 प्रपराह्न
(iii) श्रीजे०सी० वर्मा	31-5-75 ग्रपराह्न
	वी० पी० साहनी,
	महाप्रबन्धक ।

#### मध्य रेल

बम्बई वी॰टी॰, दिनांक 15 सितम्बर 1975

स० एच०पी०बी०/220/जी०/1(डब्ल्यू०)--श्री सत्य-भूषण जिन्हें भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा में परिवीक्षाधीन श्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था, की दिनांक 6-7-1975 से सहायक इंजीनियर, श्रवर वेतनमान में स्थायी किया गया है।

## दिनांक 17 सितम्बर 1975

सं० एच०पी०बी०/220/जी०/म्राई०/ए०सी०--इस रेल की भारतीय रेल लेखा सेवा में, निम्नलिखित म्रधिकारियों को इनके नाम के सामने दिखाई गयी तारीख से प्रवर वेतनमान में स्थायी किया गया है।

	2	प्रवर वेतनमान में स्थायी- करण की तारीख		
क्रमांक नाम	, ,	——— गनन्तिम	ग्रन्तिम	
1. श्री पी० एन० मैंनी	<del>, , , , , , , , , , , , , , , , , , , </del>	7-11-67	15-11-68	
2. श्रीपी० वी० कवठल	कर ,	15-11-68	27-6-69	
3. श्री बी० एम० साठ्य	ì , ;	27-6-69	12-7-71	
4. श्री एस० एल० गोय	त .	5-10-70	1-4-75	
5. श्री के० विश्वनाथन	•	1-4-75		
		बी०	डी० मेहरा, महाप्रबन्धक	

## कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 आफ मुजफरपुर राधास्वासी बैंक प्राईवेट लिमिटेड (इनलिक्बीडेशन) के विषय में

कानपुर, दिनांक 18 सितम्बर 1975

सं० 9330/1189-एल०सी०—कम्पनी धिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अव- सात पर मुजफरपुर राधास्वामी बैंक प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्बोडेशन) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उकत कम्पनी विद्यटित कर दी जाएगी।

. एस० सी० वासु, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उत्तर प्रदेश

## कम्पनी अधिनियम, 1956 और मानजोश केमिकल्स प्राईबेट लिमिटेड के विषय भें

एरनाकुलम, दिनांक 18 सितम्बर 1975 सं० 2158/लिक्०/560/75—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मानजोण कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

पी० एम० श्रानवार, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

## कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स जयन्तीलाल अमरत-लाल लिमिटेड के विषय में

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 सितम्बर 1975

सं० 560/84—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैंसर्स जयन्तीलाल श्रमृतलाल लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

## कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स जयन्तीलाल अमरत-लाल एण्ड कम्पनी लिमिटेड के विषय में

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 सितम्बर 1975

सं० 560/765—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतव्हारा यह सूचना थी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैंसर्स जयन्तीलाल श्रमृतलाल एण्ड कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण विश्वत न किया गया तो रजिस्टर से काट विया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विश्वटित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाथा, प्रमंडल पंजीयक, गुजरात

## कम्पनी अधिनियम, 1956 और फाईन टिम्बर प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1975 सं० 2346—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसाम पर फाईन टिम्बर प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रोर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी। रा० कु० जैन, कम्पनीज का सहायक रिजस्ट्रार, दिल्ली व हरियाणा

## कम्पनी अधिनियम, 1956 और नार्थ महानवी द्रेडिंग कम्पनी प्रार्डवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक

सितम्बर 1975

सं० 164/75-1733(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदृद्वारा यह सूचना दी जाती है कि नार्थ महानदी ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज से रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

एस० एन० गुहार कम्पनियों का रंजिस्ट्रार, ं उड़ीसा

## आय-कर आयुक्त का कार्यालय अविश संख्या 308

कलकत्ता, दिनांक 26 जुलाई 1975

फा॰ सं॰ 2ई॰/35/59-60—िनम्निलिखित अधिकारी को उसके नाम के सामने दी गयी तारीख से प्रायकर श्रिधकारी श्रेणी- $\mathbf{H}$  के रूप में स्थायी किया गया है:—

क्रम० ग्रायकर श्रिधकारी स्थामीकरण वह रिक्त स्थान जिस सं० का नाम श्रीर वर्त- की तारीख पर स्थायी किया गया मान तैनाती का

स्थान

1. श्री रघुनाथ सहाय	22-2-71	भारत सरकार, वित्त
जो भ्रब संगठन तथा		मंत्रालय राजस्य तथा
प्रबन्ध सेवा निवेशा-	*	बीमा विभाग) के
लय, नई दिल्ली,		दिनांक 31-5-1973
में भ्रपर सहायक नि-		के पन्न द्वारा स्वीकृत
देशक के रूप में तैनात		स्थायी पदों में से
हैं ।		एक रिक्तस्थान पर।

2. यदि भ्रावश्यक समझा गया तो स्थायीकरण की तारीख को बवला जा सकता है।

के० श्रीनिवासन, श्रायकर श्रायु<del>क्</del>त, पश्चिम बंगाल I

# आय-कर अपील अधिकरण का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 15 सितम्बर 1975

सं० एफ० 48 ए०डी० (ए०टी०) / 75-पी०-II---ग्रपने मूल विभाग यथा नियोजन ग्रौर समाज कल्याण (ए०) विभाग, श्रांध्र विभाग प्रवेश सरकार, हैदराबाद, में प्रतिवर्तित हो जाने से श्री बग्रीस्ट्रीन ग्रहमद ने ग्रायकर श्रपील ग्रधिकरण, हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद के सहायक रिजस्ट्रार का पदभार दिनांक 18 श्रगस्त, 1975 (पूर्वाह्म) से छोड़ दिया।

हरनाम शंकर भध्यक्ष प्रकप बाई० टी० एन० एस०---

आवकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

नार्बालब, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 सितम्बर 1975

निदेश नं० 11-एन०/अर्जन: अतः, मुझे, बिशम्भर नाथ, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम,' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० 128/14/1 है तथा जो चाइना बाजार चौलकखी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकर्ता, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर स्रक्षि-नियन, 1961 (1961 का 43) के अधिन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन -कर भिधिनियम, 1957 (1957 क 27) के प्रयोजानार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

ग्रतः ग्रंथ उत्तर श्रिशितयम की श्रारा 269-ग के प्रमुसरण में, में उत्तर श्रिशितियम, की श्रारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिशीय निम्नलिखित स्पक्तियों, श्रिशील्⊸ः 1. श्री नन्द कुमार

(भन्तरक)

2. श्री नबी हसन खां

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिद्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा जी उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक किया मकान दो मंजिला नं ० 128/14/1 जो कि भाइना बाजार, चौलक्खी, लखनऊ में स्थित है।

> |विशम्भर नाथ सक्षम ग्रविकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लक्षनऊ

तारीखाः 10 सितम्बर 1975

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०-

1. श्री नन्द कुमार

(भ्रन्तरक)

2. श्री शमशुक हसन खां ग्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 सितम्बर 1975

निवेश सं० 78-एस०/ग्रर्जन:---ग्रतः, मुझे, विशम्भर नाथ,

म्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है भौर जिसकी सं०भ्रहाता है तथा जो म्राइना बाजार में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 12 मार्च, 75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम' के प्रधीन कर वेने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; ग्रौर / या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रव उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, में उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों प्रधात :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सर्वध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भ्रविधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इ.स. सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त** श्रष्टिनियम, के श्रध्याय 20-का में यथा-परिभाषित हैं, वही भ्रर्थ हीगा, जो मध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता महाता जो कि 3116 वर्ग फिट है मौर यह माइना बाजार लखनऊ में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10 सितम्बर 1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ब्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 ग्रगस्त 1975

निदेश सं० 2—जेड़/ग्रर्जन:—ग्रतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो ग्राम ग्यामपुर तहु० हसन पुर, मुरावाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हसनपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 7/5/75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीम कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत घिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रव उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राथीत्:—- 1. श्री उशरत ग्रली खा

(भ्रन्तरक)

2. श्री कुंबर जफ़र ध्रहमद खां

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में
  हितवढ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण --इसमें प्रयुक्त पान्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता कृषिक भूमि जिसका रकबा 10.34 डि॰ है। जो कि ग्राम श्यामपुर, तह॰ हसनपुर, जि॰ मुराबादबाद में स्थित है।

> बिशम्भर नाय सक्षमं प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 29 ग्रगस्त, 1975

प्रकप धाई ० टी ० एन ० एस ० ----

आयकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भन्नीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 ग्रगस्त 1975

निदेश सं० 63-एम०/श्रर्जनः --- श्रतः, मुझे, बिशम्भर नाथ, श्रायकर श्रिश्रित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६पये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 32/1 है तथा जो ग्राम श्यामपुर तह० हसनपुर मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हसनपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख, 7-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम, के अधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयांत :—

3-286GI/75

ा श्री इमरत ग्रली खां

- (भ्रन्तरक)
- 2. श्री कुंबर मोहसन ग्रली खां

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया [गया है।

## अम् सूची

एक किला कृषिक भूमि जिसका रकवा 10,33 डि॰ है। जो कि ग्राम क्यामपुर तह०, इसनपुर, जिला मुरादाबाद में स्थित है।

> विशम्भर नाष सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 29 भ्रगस्त 1975

मोह्रर:

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 ग्रगस्त 1975

निदेश सं० 62-एम०अर्जनः--जातः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर प्रधितियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो ग्राम प्रशासपुर तह्र० हसनपुर मुरादाबाव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूनी में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हसनपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 7-5-1975 को पूर्वीक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर / या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के अभीत निम्तिवित व्यक्तियों, अर्थातः :-- 1. श्री उगरत ग्रली खां

(ग्रन्तरक)

2. श्री मोहम्मद मूल्तान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक किला कृषिक भूमि जिसका रक्तवा 10.34 डि० है। जो कि ग्राम ग्यामपुर तह० हसनपुर जि० मुरादाबाद में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

वारीख: 29 भ्रगस्त 1975

प्ररूप ग्राई०टी ०एन ०एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 29 भ्रगस्त 1975

निदेश सं० 61-एम०/अर्जन:---अतः, मुझे, विशम्भर नाथ, श्रधिनियम, 1961 (1961 南 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000∤- रु० से श्रधिक हे श्रौर जिसकी सं० 32/1 है तथा जो ग्राम श्यामपुर, तह० इसनपुर जिला मुरादाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हसनपूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के वीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर श्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना च।हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियां, श्रर्थात् :---

1. श्री उशरत अली खां

(श्रन्तरक)

2. श्री मोहम्मद ग्रली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजयव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वढ़ किसी प्रन्थ व्यक्ति हारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, उस प्रध्याय म दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किला कृषिक भूमि जिसका रकवा 10.34 डि० है। जो कि ग्राम श्यामपुर तह० हसनपुर जि० मुरादाबाद में स्थित है ।

> बिशस्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 29 श्रगस्त 1975

#### प्ररूप भाई०टी० एन० एस०---

# भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सुवता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनाँक 24 सितम्बर 1975

सं० ग्रार० ए० सी०

यतः मुझे B. V. Subbarao.

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है स्प्रीर जिसकी सं० R, S. No. 247/2B है तथा जो

Rajahmundry में स्थित है, (भ्रौर इससे उपावद भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय Rajahmundry में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 31-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त भिधिनियम, के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर /या
- (ज) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम. (1922 का 11) या उपत प्रधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपामे में सूविधा के लिए।

भतः अब उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- (1) 1. Syed Ibrahim.
  - Syed Ahamedullah Shah
     Syed Kuduruddiullah Shah

  - Syed Nabiullah Shah
     Syed Saffullah Shah
  - 6. Syed Akbarali Shah 7. Sycd Abbas Ali Shah
  - 8. Syed Naziullah Shah.

(भ्रन्तरक)

(2) Navudu Kannarao S/o Appalaswamy, Mg. Pr. Laxmi Ganapati Crucible Works. Rajahmundry.

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के पर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की सारीख 35 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृद्रों का, जो उक्त अधिनियम , वो अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसुची

The schedule property as per document No. 273/75 of the S.R.O., Rajahmundry.

> B. V. SUBBARAO. सक्षम श्रधिकारी, सहायक ब्रायकर ब्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख : 24-9-1975

प्रसप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर भिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भिक्षीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)
< भर्जन रेंज, काकीनाडा
काकीनाडा, दिनांक 24 सितम्बर 1975

ACQ. File No. 242/J. No. 648/WG.-यत:, मुझे, B. V. Subbarao, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित थाजार मृल्य 25,000/∽ रु०से प्रधिक है भौर जिसकी सं० R.S. No. 194 land 4-48 है तथा जो Digumarru Village में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध भनसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय Palakjol में, रजिस्दीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 15-3-1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दभ्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः भव उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रधीत :---  Mamidi Krishna Prasad, S/o Satyanarayana. Palakol.

(भन्तरक)

(2) Oruganti Satyanarayana S/o Veeraswamy, DIGUMARRU,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किंसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो जक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

The schedule property as per document No. 547 as per S.R.O., Palakol.

 B. V. SUBBARAO,

 सक्षम प्रधिकारी

 सहायक
 भ्रायकर
 भ्रायकत (निरीक्षण)

 भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 24-9-1975

प्ररूप भाई ० टी ० एन ० एस ०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, काकीनाडा

काकी नाडा, दिनांक 24 सितम्बर 1975

सं० श्रार० ए० सी० यत:, मुझे, B. V. Subbarao,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

Door No. 26-9-4 Gandhinagar. है तथा जो Vijayawada में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-के कार्यालय, Vijayawada में, रजिस्टीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 28-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय द्श्यमान प्रतिफल अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: म्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के म्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :---  Nannapaneni Gopalarao, S/o Anjaneyulu, Ayitanagaram

(अन्तरक)

(2) Uagamsetty Subbarayulu,
 S/o N. Subramanyam
 2. Mallemala Venkata Raghavareddy, S/o Veeraswamureddy

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां सुरु करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

The schedule property vide document No. 547 dated 24-2-1975 of S.R.O., Vijayawada,

B. V. SUBBARAO, सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 24-9-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रोंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 सितम्बर, 1975

Acq. File No. 239/75-76/J, No. 605/74-75/WG.— यत:, मुझे, B. V. Subbarao, न्नायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे<sup>,</sup> इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्<mark>थाव</mark>र सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० Door No. 14-35-2/1 to 4 Kakakatla, Tadepalligudem है तथा जो Tadepalligudem में स्थित है (श्रीर इसरे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, Tadepalligudem में, रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

ग्रतः श्रव 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में,मैं 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-घ को उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीन् :--- (1) Sri P. V. Krishnamacharyulu, S/o Venkatachari, Tadepalligude.

(म्रन्तरक)

(2) Sri Jayavarapu Kasi Viswanarham, S/o Jullaiah, Tadepaligudem.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'जक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथांपरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### ग्र**नसमी**

The schedule property as per document No. 219 of the SRO, Tadepailigudem.

B. V. SUBBARAO. सक्षम श्रिष्ठकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 22-9-1975

प्ररूप धाई०टी०एन०एस०--

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायुक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनाँक 24 सितम्बर 1975

Acq. File No. 240/J. No. 668/WG— यत: मुझे, B. V. Subbarao,

**भायकर भ्रधि**नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं॰ R.S. No. 194 land 2-00 है तथा जो Digumarru Village, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबन ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 Palakol (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भतः, भन, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, 'उक्त भिधिनियम' की धारा 269-च की उप-धारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।- (1) Mamidi Krishna Prasad, S/o Satyanarayana, Palakol.

(भ्रन्सरक)

 Oruganti Vecraswamy, S/o Oruganti Butchanna, Digumarru,

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके भ्रजन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्यत में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रश्चितियम, के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### बनुसुची

The schedule property as per document No. 576 of the S.R.O., Palakol.

B. V. SUBBARAO. सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 24-9-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 24 सितम्बर 1975

सं प्रार ए० सी०— श्रतः, मुझे, B. V. Subbarao, श्रायकर अधिनियम 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह तिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० R. S. No. 195/3 land 2-48 है जो है (ग्रौर Digumarru Village में स्थित उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता में, रजिस्टीकरण म्रधिकारी के कार्यालय, Palakol भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 15-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्त अन्तरग लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——
4—286GI/75

(1) Mamidi Krishna Prasad, S/o Satyanarayana, Palakol,

(भ्रन्तरक)

(2) Oruganti Ramakrishna, S/o Veeraswamy, Digumarru.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

The schedule property as per document No. 508 of the S.R.O., Palakol.

B. V. SUBBARAO सक्षम ऋधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 24-9-1975

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 24 सितम्बर 1975

निदेश सं० 1268--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2495, फरवरी 1975 में लिखा है तथा जो नंगल जीवन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की घारा 269-श के घनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अवितृ:—~

- श्री जोगा सिंह सपुत्र श्री वीर सिंह (श्रन्तरक) सपुत्र शाम सिंह निवासी बोपाराय तहसील नकोदर।
- श्री प्यारा सिंह सपुत्र श्री वीर सिंह, (श्रन्तिरिती) सपुत्र शाम सिंह निवासी बोपाराय तहसील, नकोदर।
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा, अभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और मदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 2495/फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर 1975

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

धायकर धिंघनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-व (1) के घंघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निदेशसं० ए० पी०नं० 1269--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पण्चात् 'अक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से मधिक है भौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2495-96 फरवरी 1975 में है तथा जो नंगल जीवन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण भधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में क चित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त प्रधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:—

भतः अब 'उन्त प्रधिनियम', की धारा 269-ग के भनुसरण में मैं, 'उन्त भिधिनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों भ्रषीत्:——

- श्री जोगा सिंह सपुत्र श्री वीर सिंह सपुत्र गाम सिंह निवासी बोपाराय तहसील नकोदर। (ग्रन्तरक)
- श्री प्यारा सिंह सपु / बीर सिंह , सपुत्र श्री ज्ञाम सिंह निवासी बोपाराय तहसील नकोदर (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं ० 2 में है
   (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को य**इ** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 2495---96 फरवरी 1975 को रंजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर 1975

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भावकर भाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल र, सहायक क्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेंज जालन्धर जालन्धर, तारीख 24 सितम्बर 1975 निदेश सं० 1282--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार **प्रा**यकर ग्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1813 जनवरी 1975 में है तथा जो मुकेरियां में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मुकेरियां में रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर भन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रत्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

.अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्यात :---

- श्री चरणजीत राये सपुत्र माला राम (भ्रन्तरक) सपुद्र सोहन लाल गांव मुकेरियां
- 2. श्री हरिन्द्र सिंह सपुत्र ग्रत्तर सिंह (श्रंन्तरिती) गांव पागला जनावा मोहन सिंह सपुत्र जागीर सिंह सपुत्र केहर सिंह गांव महतपुर मुकेरियां
- 3. जैसा कि विलेखनं० 2 में है ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में हसम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के

लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

. स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

भृमि जैसा कि रजिस्द्रीकृत विलेख नं० 1813 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधि कारी मुकेरियां में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्रधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 24 सितम्बर 1975 श्चर्जन रेंज, जालन्धर

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 26 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1299---यतः मुझे; रवीन्द्र कुमार श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8840 जनवरी 1975 को है तथा जो दानिशमन्दा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख, जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त **ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है**:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधिन नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी म्राय या किसी धन या ग्रन्थ म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त म्रधिनियम,' या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ म्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रब 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनु-- सरण, में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात :--

- श्री श्रमर नाथ सपुत्र कृपा राम (श्रन्तरक)
   जी फेटू दुर्ग देवी पत्नी श्रमर नाथबस्ती दानिशमदा।
- 2. रेखा लैंड प्राइवेट लिमिटेड जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

 कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

> (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उन्त श्रधिनयम,' के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनूसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०8840 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम ग्रधिकारी

सहायक आयकर ग्राय<del>ुक्तः (निरोक्षण)</del>

तारीख: 26 सितम्बर 1975

श्रजीन रेजि, जालैन्धर

#### प्ररूप भाई ०टी ०एन ०एस ०----

# भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा-269थ (1) के भिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

मर्जनरेंज जालन्धर

जालन्ध्र तारीख 26 सितम्बर 1975

निदेश सं० 1300---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, द्मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का **43**) (**जि**से इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा सया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुं से प्रधिक है भीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9078 अनवरी 1975 को है तथा जो दानिशमंदा में स्थित है (धीर इससे उपाबद मनसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक हैं भीर भन्तरक (भन्तरकों), भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, 'उक्त भ्रधिनियम,' के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) 'उन्त भिधिनयम', या धनकर अभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मन 'उन्त मधिनियम' की धारा 269-ग के मनुसरण में नै, 'उन्त मधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मंधीन निम्तिसिस व्यक्तियों प्रथति :---

- श्री धमर नाथ सपुत्र कृषा राम जी फे (अन्तरक)
   दुर्गा देंबी पत्नी धमर नाथ बस्ती
   दानिशमन्दा।
- 2. रेखा लैन्ड प्राईवेट लिभिटेड, जालन्धर ।
- जैसा कि नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की मबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—हसमें प्रयुक्त ग्रन्थों भीर पदों का जो 'उक्त भिक्षितियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9078 जनवरी 1975को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रिवन्द्र कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 26 सितम्बर, 1975 प्रजैन रेज, जॉलन्धर

## प्ररूप ग्राई । टी० एन० एस०---

घायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर तारीख 26 सितम्बर 1975

निदेशनं० 1301---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया की धारा 269ल के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-३० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8798 जनवरी 1975 को है तथा जो दानिशमन्दा में स्थित है (मौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमृल्य से दश्यमान के प्रतिफल लिए गई है की **बो**र विश्थस करने का कारण है कि यदापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल दृश्यमाम प्रतिफल प्रतिगत से प्रधिक है ग्रीर भन्तरक (ग्रन्तरकों) मन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत 'उक्त प्रधिनियम,' के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम', या धनकर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए।

अतः अयः, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखन व्यक्तियों, स्रर्थात्:---

- श्री ग्रमर नाथ जी के बद्रस मालवा सिंह बस्ती वावारवेह
- (ग्रन्तरक)

2. रेखा लैंन्ड जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोह स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

#### वनुसुची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8798 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्घर

तारीख: 26 सितम्बर 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की बारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, जालन्धर

जालन्धर तारीख 26 सितम्बर 1975

निदेश नं 1302--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार प्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक हैं श्रोर जिसकी संर् जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 9200, जनवरी 1975 में हैं तथा जो सुभाष तगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्था श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1975 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पुरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशर्त से अधिक है और श्रम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-रिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की, धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रधीतृ:—

- श्री महाराज कृष्ण पुत्र मनी राम (श्रन्तरक) हाउस नं० ई०-डी०-36, मुहता धान, जालन्धर।
- 2 श्री विमला देवी पत्नी म्रोम प्रकाश ग्रन्तरिती) घर न ० 25, सुभाष नगर, जालन्धर।
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है
   (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसं सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9200 जनवरी 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में है।

> वीरेन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 26 सितम्बर, 1975

मोहरं :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

ं कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्**ध**र

जालन्धर, तारीखः 26 सितम्बर 1975

निवेश सं० 1295—मतः मुझे रवीन्त्र कुमार ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961, (1961 新 , 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है भौर ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8795 जनवरी 1975 है तथा जो सेवोबाह में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर गन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सूविधा के लिए ; ऋौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रत: अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :---

5-286 GI/75

- 1. श्री धर्म सिंह सपुत्र ग्रधम सिंह सेबोबाल तहसील जालन्धर।
- (ग्रस्तरक)

(ग्रन्तरिती)

- 2. श्री बसन्त विहार कोग्रापरेटिव विलन्डग सोसाइटी लिमिटेड, जालन्धर
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह अ्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बहु व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है।

को मह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी ग्रापेक्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो ग्राध्याय 20-क में भ्रधिनियम के परिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा, उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8795 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में है।

> वीरेन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, जालन्वर

तारीख: 26-9-1975

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस०----

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- ज (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कामलिय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीचे 26 सितम्बर 1975

निदेश सं ० 1298- मतः मृशे रवीन्त्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वीस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से झिधक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीइटत विलेख नं० 8839 जनवरी 1975 को है तथा जो दानिशमन्दा में स्थित है (घोर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिदिचयम 1908 (1908का 16) के स्रघीन, जनवरी 1975 की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजर मृत्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमांमं जितिकिल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीचं तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफंस, निम्मंलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त स्रक्षि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी धन य भन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधितियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त श्रिधितियम, या धनकर श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रव उनत श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में उनत श्रधिनियम, की धारा 269 म की उपभारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अतुर्धा: ---

- श्री ग्रमरताब सपुत्र हुपाराम जी के (ग्रन्तरक)
   श्री टेकप्राच सपुत्र तेजू रश्म बस्ती बावाचेह
- 2. रेखा सैन्ड प्राइवेट सिमिट्रेड, जासम्बर (धन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं ० 2 में है। (वह व्यक्ति, जसके प्रक्रिमीग में सम्पत्ति है)
- कोई भी स्थिति जो इस सम्पत्ति में पिच रखता हो।
   (ब्रह् स्थिति, जिनके बारे में मधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)

को सह सूचना जीरी करके पूर्वीतत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्सवाहियों शुरू करता हूं।

उन्हें सम्प्रित के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की झत्रिध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 3.0 दिन की प्रवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (कां) इसें सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हिंत-कां किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, ग्रंथोहस्ताकरीं के पास लिखित में किए जो सकेंगे।

स्माच्यीकरणः म-इसमें प्रमुक्त गड़दो श्रीत पदों का, जो उक्त ऋक्षितियम, के श्रध्याय 20-क में येथा परिभाषित हैं, वही श्रंब होंगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 8839 जनवरी 1975 को रिजिस्ट्रीकर्ता जिल्लारी जोलन्बर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) क्रजैंग रेंज, जालन्धर

तारीख: 26 सितम्बर 1975

प्रकप आई० टी० एन॰ एस०---

भागमंद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के काडीन सूचका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्त्रर

जापाध्धर, विनांक 24 सिसम्बर 1975

निदेश सं० 1254--यतः मुझे रवीन्त्र कुमार मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका 25,000 /- रुपये से बाजार मृत्य भीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4183 जनवरी 1975 को है तथा जो कमाम में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में ब्राणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नवाग्रहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ष और मुझे यह विश्वास करने का कारण है मंघापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाष्टार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्छह प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अम्तरकों) नौर (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से भौजित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसते बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय सा किसी अन सा सम्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अखितिएस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था था किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम, नी धारा 269-न के प्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की जन्मधारा (1) के ब्रामीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री क्रुपालसिंह, गुरवयाल सिंह श्रजमेल सिंह सपुत्र म रह सिंह, सपुत्र माया जांव कमाम सुरजीत कौर पत्नी रशपालसिंह सपुत्र सोहन सिंह गांव कमाम
- 2. निरन्द्र शीला, पत्नी नरारता सिंह (श्रन्तरक) सपुत्र धना सिंह गांव क्रमाम तहसील नवांगहर ।
- जैसा कि नं 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके ब्रश्चिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई भी श्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

. उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध्या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्षाचीकर्व - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उस्त वृश्विनियम के अध्याय 20-क में परिशायित हैं, वही अर्क होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसची

प्लाट जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 4183 जनवरी 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जलन्मर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सञ्चायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालक्ष्मर

तारीलः: 24 सितम्बर 1975

मोइर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निदेश सं० 1255---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रघीन सक्षम भ्रघिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से ग्राधिक ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3980 फरवरी 1975 है तथा जो अपल खालंसा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय फलौर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त ग्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (धा) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्थ भास्तिमीं की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री जरनैल सिंह सपुत्र मान सिंह गांव
   ग्रपलखालसा तहसील फलौर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री परमजीत सिंह, गुरवयाल सिंह, सपुत्र लशमन सिंह अजागर सिंह, गांव अपल खालसा (अन्तरिती)
  - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
  जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के जिसे एसबुद्धारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रविनियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्य होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

भूमि जैसा कि श्रधिकृत विलेख नं ० 3980 फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फलौर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**षः 24** सिसम्बर 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1-375

निदेश सं० 1256—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' लहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3757 जनवरी 1975 को है तथा जो उपल खालसा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अभ्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्ञतः मृब 'उपत मिधिनियम' की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, 'उक्त मिधिनियम', की धारा 269-य की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थातु:--

- 1. श्री जरनैल सिंह सपुन्न मान सिंह गांव (भ्रन्तरक) अपलखालसा तहसील फलौर
- 2 श्री परम जीत सिंह, गुरवयाल सिंह सपुत (श्रन्तरिती) लश्मनसिंह सपुत्र गुरवयाल सिंह गांव श्रपल खालसा।
  - (3) जैसा कि नं० 2 में हैं (बह व्यक्ति, जिसके श्रिष्ठिमोग में सम्पत्ति हैं)
  - (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पक्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 0 3757 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फलौर में है।

> रवीन्त्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सञ्ज्ञावक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालस्थर

तारीख 24 सितम्बर 1975 मोहर: प्रकप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनाक 24 सितम्बर 1975

निदेश सं० 1257—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3714 जनवरी 1975 को है तथा जो गांव समराये में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकृती अधिकारी के कार्यालय फलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बागार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्टे है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कवित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क शिए ; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 ( 1922 का 11 ) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-में के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-में की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :---

- ्1. श्री बेहर सिंह सबुत्र भगवान सिंह गांव समराय
- (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रवीन्द्र सिंह, स्वर्ण सिंह, (श्रन्तरिती) सपुत्र हरी सिंह गांव समराये द्वारा गुरवरणसिंह सपुत्र लखा सिंह
  - (3) जैसा कि नं 2 में है (वह व्यक्ति जिसके मधिमोग में सम्पत्ति है)
  - (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में हची रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रष्टोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितदध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो श्री अविधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्थल्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पढों का, जो उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-मित है, वही अर्थ होगा को जस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3714 जमवरी 1975को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फलीर में है।

> रधीन्त्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीखं 24 सितम्बर 1975 मोहर :

## प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-थ (1) के प्रधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्थन, रेज, आलन्धर

जालनधर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निदेश सं० 1258--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्कास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिचल बाजार मूल्य 25,000∤- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3721 जनवरी 1975 में है तथा जो कगजागीर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फिलौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पनद्रह प्रतिशत से श्रधिक है ग्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था; छिपाने में सविधा के लिए;

पतः भव उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) बाधी न निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात :--

- श्री करमी: , ग्रन्तो, भजनी
  सपुत्री बिचन्त सिंह सपुत्र बलविन्दर
  सिंह, निवासी कंगजागीर तहसील फिल्लोर । (ग्रन्तरक)
- श्री हरबन्स सिंह, बलदेव सिंह, शिभाटा सिंह, नाजर सिंह, बलकीर सिंह, हरचरण सिंह सपुत्र केहर सिंह निवासी कंगजागीर तहसील फलौर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में हैं ( वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारें में श्रश्नीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्प्रत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (धा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्प्रव्हीकरण:— इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **सनुसू**ची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 3721 जनवरी 1975को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फिलौर में लिखा है।

> रवीन्द्र क्रुमार सक्षम श्राधिकादी सहामक आमकर आमुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रोंज, जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर 1975

मोहरः

(अन्तरिती)

प्ररूप भाई० टी० एम० एस०----

मायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 48) की भारत 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कामिलिय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनौंक 24 सितम्बर 1976

निवेश सं० 1259--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3780 जनवरी 1975 में है तथा जो गुरखा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में घ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय फिलौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1975 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है <mark>भौ</mark>र मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से. ऐसे बुश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में धास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निसिसित व्यक्तियों, श्रथीत् :—

 श्री बन्ता सिंह सपुत्र इन्द्र सिंह (अन्तरक) सपुत्र रवा निवासी भुरका तहसील फिलौर

- 2. श्री जोहर सिंह सपुत्र जगत सिंह सपुत्र रता निवासी पन्डोन मुबारक तहसील फिलौर।
- जैसा कि नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पक्ति है)
- 4. जो क्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3780 जनवरी 1975को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फिलौर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम ग्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर 1975

(अन्तरिती)

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निदेशसं० ए०पी०-1260—यतः मुझे रजीन्द्र कुमार् भायकर श्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्री कृत विलेख नं० 3892 जनवरी 1975 है तथा जो गुरका (फिलौर) में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय फिलौर में रिजर्स्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय फिलौर में रिजर्स्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय फिलौर में रिजर्स्ट्री कर्म अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी खजनवरी 1975 की

- पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
  से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
  की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
  कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
  उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
  प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
  अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
  पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
  में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
  - (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त भ्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम,' या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भ्रव 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त भ्रधिनियम', की धारा 269-ध की उपधारा 1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

 श्री बन्ता सिंह सपुत्र श्री इन्द्र सिंह (श्रन्तरक) सपुत्र टबा नियासी गुरका तहसील फिलौर  श्री जोहर सिंह सपुत्र जगत सिंह सपुत्र रला सिंह निवासी पन्डोटी मुशरक्ता तहसील फिलौर

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं: —

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रेश्चित विलेख नं० 3892 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिलौर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर 1975

मोहर :

6-286GI/75

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर स्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24सितम्बर 1975

निदेशसं० 1261--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए० से म्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 140 5 जनवरी 1975 में है तथा जो अलोगल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भूंगा में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से बाधक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त श्रीधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, म उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रशीत :---

 श्री बसन्त सिंह सपुत्र श्री पूर्ण सिंह (ग्रन्तरक) सपुत्र गुरदित सिंह निवासी सदोर तहसील जिलाहोशयारपुर

- 2. श्री देवेन्द्र सिंह सपुत्र श्री पूर्ण सिंह (ग्रन्सरिती) निवासी पथरालियां तहसील होगयारपुर
- जैसा कि नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)
   जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता
   है।

(यह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के भध्याय 20-क में यदा परिभाषित हैं, वही भर्ष होना, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख 1405 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भूमां में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर 1975

प्ररूप प्राई० टी ०एन ०एस०---

न्नामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1262—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, धावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है प्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1359 जनवरी 1975 में है तथा जो प्रलोवाल (भूगां) में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय भूगां में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से ग्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुिषधा के लिए;

भतः श्रम उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :—

- 1. श्री बंसन्त सिंह सुपुत्र पूर्ण सिंह गाँव नदा चोट तहसील हुगयारपुर (भ्रान्तरक)
- 2- श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी पूर्ण सिंह निवासी पन्य-रालियां तहसील हुभयारपुर

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधीहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितयद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीइन्त विलेख नं 1359 जनवरी 1975 जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भूगां में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेंन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर, 1975

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

# भायकर घषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घषीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1263—यतः सुझे, रवीन्द्र कुमार, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रोक्टल विलेख नं० 4217 जनवरी, 1975 में है तथा जो मीहली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में और विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से धिक है धीर अन्तरक (भन्तरकों) धीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम' या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रक्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब उक्त श्रिष्ठिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिष्ठिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- 1. श्री बाबू राम सगुत्र श्री गंडा राम गांव मेहाली तहसील नवांगहर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गुरमेज सिंह, श्रजीत सिंह एवं कश्मीर सिंह सपुत्र श्री स्वर्ण सिंह निवासी मेहाली तहसील नवांणहर (श्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 में है। (यह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
    (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
    जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध भें कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सीबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4217 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी नवांगहर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर 1975

मो हरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० 1264---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारां 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8656 जनवरी, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखंस व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. श्री बन्सी लाल सपुत्र श्री राम लाल डब्ल्यू० एफ० 145 श्राली मुहल्ला जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री भाटिया कापरेटिव हाऊस बिल्डींग सोसाईटी भ्रादर्शनगर जालन्धर (ग्रन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 में है।
     (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
  - जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
     (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की धविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, को उक्त श्रधि-नियम के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8656 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्द्यर

तारीख: 24 सितम्बर 1975

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269(च) (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1267--- यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीशृत विलेख नं० 2496 फरवरी, 1975 में है तथा जो नंगल जीवन में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण में विणित है), रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख फरवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है बौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृख्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं कम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अव, 'उन्त प्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. श्री जोगा सिंह सपुत्र श्री वीर सिंह सपुत्र शाम सिंह निवासी बोपाराम तहसील नकोदर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्यारा सिंह संयुक्त वीर सिंह संयुक्त श्री शाम सिंह निवासी बोपाराय तहसील नकोदर (भन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 में है।
     (वह व्यक्ति, जिसके श्रधियोग में सम्पत्ति है)
  - जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
     (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2496 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर 1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1270—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2279 जनवरी, 1975 में है तथा जो सिगपुर डीना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की दाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्राधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, ग्रयीत्:---

- ग्रिमिती प्रकाशवती पत्नी हरीखंद सपुत्र गुरिवत्ता-मल वासी 16/275-7 जोशी लेन करौल बाग नयी दिल्ली द्वारा, पृथ्वी राज वर्मा जी श्रटोर्र्मी दुनी चन्द सपुत्र गुरिदत्ता-मल मकान नं० 87 ब्लोक नं० 26 विस्ट पटेल नगर नयी दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री ठाकुर दास सपुत्र तोला रान सपुत्र रोशनक राम गांव सियाम तहसील नकोदर (ग्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जोइस सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में
  हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक विकास कि पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्य होना, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2279 जनवरी, 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1277—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, श्रायकर प्रधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा

269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2545 फरबरी, 1975 में है तथा जो मुद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख़ फरबरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन य ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः भव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत :—

- श्री निर्मल सिंह सपुत्र भगत सिंह सपुत्र वरमाम सिंह गांव मुद तहसील नकोदर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मोहिन्द्र सिंह सपुत्र गुरबीर सिंह असपुत्र चुहार सिंह गांव मुद्द तहसील नकोदर (अन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 में है।
     (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबज है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में थया-परिमाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जी उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2545 फरवरी 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता भिधिकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रैर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर 1975

प्रारूप भ्राई० टी० एन० एस०--

न्नायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1278--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार **प्रायकर प्र**धिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के प्रनुसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2546 फरवरी, 1975 में है तथा जो मुन्द में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्टीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1975 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए प्तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

(ख) एसी किसी ध्राय या किसी धन या घ्रन्य घ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घ्रायंकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घ्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भ्रब उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--7---286G1/75

- 1. श्री भगत सिंह सपुत्र बरयाम सिंह गांव मुंद तहसील नकोदर (श्रन्तरक)
- 2. पाल सिंह सपुत्र गुलवीर सपुत्र चुहार सिंह चरण कौर पत्नी पाल सिंह सपुत्र गुलवीर सिंह गांव मृद तहसील नकोदर (श्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. कोई भी ब्यक्ति जो इस सम्पत्ति में इचि रखता हो।
    (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
    जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2546 फरवरी, 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी नकोदर में लिखा है।

> [रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालधर

तारीखः: 24 सितम्बर 1975

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निदेश नं० 1280---यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उफ्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8281 जनवरी, 1975 में है तथा जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण' रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन ग्रन्य श्रास्तिमों को, जिन्हेंभारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रिधिनियम ग्राधन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजानार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्षत श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :——

- (1) श्रीमती स्वर्ण वर्मन पत्नी वलदेव सहाये कोठी मनोरमा, पुरानी पोस्ट ग्रीक्से रोड, नजदीक स्टेट बैंक ग्राफ इन्डया जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हंस राज ज्ञान प्रकाश ग्रीर सतदेय पुत्र बलराज द्वारा हंसराज ग्रग्नवाल ग्रीर बद्रस कलोध गरचैंन्ट भटारी बजार जालन्धर (ग्रन्तरिती)
  - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)
  - (4) कोई भी ब्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधनियम' के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 8281 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर, 1975

मोहरः

### प्रकृप बाई० टी• एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

जालधर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निदेश नं 1281—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम ग्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 3632 जनवरी 1975 में है तथा जो बहादुरपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृती ग्रिधिकारी के कार्यालय, हुशयारपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्तों) ओर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम, की धारा-269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्ः--

- 1. श्री भगत राम संपुत्र श्री रला राम निवासी बहादुर-पुर जिला हुगयारपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री मोम प्रकाण, किशन चन्द सुपुत्र श्री रक्खा राम निवासी नंदा चोट जिला हुशयारपुर (भ्रन्तरिती)
  - 3. जैंसा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) धस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20% में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा, जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3632 जनवरी 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हुणयारपुर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

# आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निदेश सं० 1283—स्वतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, श्रायकर ग्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधि-तियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है धौर जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3553 जनवरी 1975 में है तथा जो बागपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, हुशयारपुर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1975 को

ताराख जनवरा, 1975 का
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
धन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/ना
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निये;

ध्रतः अब उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषीत् :—

- 1. श्री वास देव संयुत्त फुल्लू राम संयुत्त लक्ष्मी नारायण निवासी बागपुर मकान नं० 362 तहसील हुगयारपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री बलंबीर सिंह सपुत्र श्री मुन्शी राम 73 गार्डन कालोनी जालन्धर (श्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बढ़ है**)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिचाधित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुषी

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3553 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हुशयारपुर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर 1975

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०———— भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, तारीख 24 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए०पी०-1284--यतः मुझे, रबीन्द्र कुमार भ्रायकर भ्रधिनियम,

1961 (1961 का ॣ43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से श्रीधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3605 जनवरी 1975 में है तथा जो लखेरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, , हुणयारपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बोच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः श्रव उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्ः ---

- 1. श्री हरचरण सिंह सुपुत खजान सिंह सुपुत श्री गोपाल दास सैनी निवासी फतेहगढ़ सुथेरी (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बिश्रम सिंह सुपुत श्री हरि सिंह सैनी निवासी सिमली थाना तहसील हुमथारपुर (श्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं 2 में है

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
 (वह व्यक्ति, जिनके
 बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है
 कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3605 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हुशयारपुर में लिखा है। रवीन्द्र कुमार संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर 1975

प्रकृप आई० टी० एम० एस०--

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 24 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1285--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, अभिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.6**9-व**ंके अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्व 25,000/- रुपये से अधिक है **भौ**र जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3621 जनवरी 1975 में है तथा जो होशियारपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्दीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रिजस्द्री-करण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख जनवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी घन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब उष्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) सुरजीत सिंह सुपुत्र दुरगा सिंह सुपुत्र जीवा सिंह (2) हरकृष्ण सुपुत्र दौलत राम सुपुत्र जीवा सिंह (3) कुलदीप सिंह जगदीश सिंह सुपुत्र दसौंदा सिंह (4) गयान कौर पत्नी प्रकाश (5) भ्रोम प्रकाश (6) राम प्रकाश, (7) चन्नन कौर (8) बिमला देवी (9) जोगिन्दर कौर पुत्री राम कौर कमें कौर पत्नी मलिकयत सिंह गुरदेव कौर सुरजीत कौर पुत्री दुर्गा सिंह वासी प्रेम गढ़ (भ्रन्तरक)
- 2. तरलोचन सिंह सुपुत्र चभ्रन सिंह सुरजीत कौर पत्नी चभ्रन सिंह वासी कृष्ण नगर होशिया (पुर (भ्रन्तरित))
  - 3. जैसा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति जिसके भिधभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3621 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर 1975

प्रहर्प प्राई० टी० एउ० एउ०----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

निर्देण सं० 1286—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उम्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3764 जनवरी 1975 में है तथा जो वेगोवाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे,

यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्त-रकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त श्रधिनियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:---  श्री सुरजीत सिंह सुपुत्र बाबा करतार सिंह गुरदर्शन सिंह, श्रमरजीत सिंह, प्रहलाद नगर होशियारपुर।

(अन्तरक)

- 2. श्री रासल सिंह पुत्र तरलोक सिंह गांव वधो तहसील श्रमक जिला ऊना। (श्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके मिश्रभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितअद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्ष होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3764 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24 सितम्बर, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269- घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निदेश सं० 1220--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनयिम' कहा 269-ঘ अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8531 जनवरी 1975 में है तथा जो ग्रीन पार्क जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीम, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्री गुरदयाल चन्द जी० ए० ग्राफ श्री देव दत्त एण्ड कालू राम सुपुत्त रिजु चरनजीतपुरा जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

 श्री सोहन सिंह झन्डू सुपुद्र श्री नरेन्द्र सिंह निवासी सिंधवा सहसील नकोदर।

(ग्रन्तरिती)

 जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रश्लोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8529 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19 सितम्बर, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए० पी०/1221---यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8529 जनवरी 1975 में है तथा जो सिधवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अघिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के बाढ़ीन निम्नलिखित अपिक्तियों, अर्थात्:—- 8—286GI/75

- श्री गुरदयाल चन्द जी० ए० श्राफ श्री देव दत्त एण्ड कालू राम सुपुत्त रिजू राम निवासी चरणजीत पुरा जालन्धर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्यारा सिंह झन्डू सुपुत्र श्री नरैन सिं**ह झ**न्डू निवासी सिधवां तह्सील नकोदर (श्रन्तरिती)
  - जैसा कि न० 2 में है।
     (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
  - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अभुसुची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 8529 जनवरी 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्त्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19 सितम्बर 1975

्रिक्ष्प आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा [269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निवेश सं० ए० पी०-1222-यतः मझे रवीन्द्र कुमार म्रायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8630 जनवरी 1 75 में है तथा जो ग्रीन पार्क कालोनी जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:--

- श्री कनवर सिंह महे सुपुत्र श्री दीवान सिंह जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरबन्स सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह गांव फराला निकट फगवाड़ा (ग्रन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 में है।
     (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
    (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
    जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8630 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19 सितम्बर 1975

मीहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी०-1223-यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ७० से अधिक हैं। भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9081 जनवरी 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (भ्रन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में निम्नलिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुकिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उफ्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. श्री जगन नाथ सुपुत्र श्री बाबू राम अलावलपुर जिला जालन्धर (अन्तरक)
  - श्री भ्रम्बा दत्त सुपुत्र दौलत राम श्राफ भ्रलावलपुर (श्रन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 में है
     (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
     (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
     ॥ जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9081 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19 सितम्बर, 1975

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालनधर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निवेश सं० ए० पी०-1225--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार धायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विशेख नं० 9059 जनवरी 1975 में है तथा जो ग्रलायलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है धौर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम', के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः ध्रव 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के द्याचीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः~

- श्री जगन नाथ सुपुत्र श्री वाबू राम श्राफ श्रलावलपुर (श्रन्तरक)
- श्री देव दत्त एण्ड भ्रनिल कुमार सुपुत्र श्री दौलत राम भ्राफ श्रलावलपुर। (ग्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में धिच रखता है
    (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
    जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो 'उक्त प्रश्नियम', के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 9059 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19 सितम्बर, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी०-1224--यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम \_\_1961 **(**1961 का 43) (जिसे अधिनियम' इसमें इसके पण्चात् **'**उ**क्**त गया है) की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका ् बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9060 जनवरी 1975 में है तथा जो भ्रलावलपुंर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्री जगन नाथ सुपुत्र श्री बावू राम ग्राफ ग्रलावलपुर जिला जालन्धर। (ग्रन्तरक)
  - 2. श्री दुर्गा दास भद्र पाल सुपुत्र दौलत राम ग्रलावलपुर (ग्रन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है (तह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रश्चोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्त्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं ० 9060 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19 सितम्बर, 1975

### प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालधर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए० पी०-1226--- यतः मूझे रवीन्द्र कुमार धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **छ**चित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 8669 जनवरी 1975 में है तथा जो जन्ड सिधां में स्थित है (ग्रीर रससे उपाबंद अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख जनवरी 1975 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत उद्यत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की प्रारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) परमजीत सिंह सपुत श्री मेहरसिंह म्राफ गांव मडार तहसील जालन्धर (म्रन्तरक)
- (2) श्री भूपिन्द्र पाल सिंह सपुत्र श्री श्रर्जन सिंह गांव जन्डू सिंधा जिला जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 घन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्त में प्रभाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 8669 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

> रवीन्द्र<sup>ं</sup> कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19 सितम्बर 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए० पी०-1227---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8519 जनवरी 1975 में है तथा जो कपूर पिन्ड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) कें बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत्:—

- (1) श्री जगन नाथ सपुत्र श्री रघुवीर राम ग्राफ कपूर पिन्ड तहसील जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री देयाल सिंह, महिन्द्र सिंह सपुत्र श्री गुरमेल सिंह, सत्नाम सिंह, श्रमरजीत सिंह परमजीत सिंह सपुत्र सन्ता सिंह सपुत्र लाभ सिंह कपूर पिन्ड (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ब्राघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो 'उक्त-अधिनियम' के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीशृत विलेख नं० 8519 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोंज जालन्धर

तारीख: 19 सितम्बर 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए० पीं०—1228—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की द्यारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8975 जनवरी 1975 में है तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जनवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन कर म्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रब उक्त म्रधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथात :--

- (1) जोली टूलज वर्क्स सोडल रोड मार्फत प्रेम नाथ सपुत्र शान चन्द्र जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती विद्या देवी पत्नी काशीराम सपुत्र मगर मल मार्फत एम० के० इन्डस्टरीज एस-67 इन्डस्ट्रीथल एरिया जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8975 अनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 19 सितम्बर 1975

मोहर ;

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निवेश सं० ए० पी०1229—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दं० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9293 जनवरी 1975 में हैं तथा जो उवेपुर जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपायद प्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

वाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या फिसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री उदम सिंह सपुत्र श्री हिरि सिंह जी ए० श्री गुरदेव सिंह सपुत्र श्री उदम सिंह गांव उदेपुर तहसील जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती नछत्र कौर पत्नी श्री महंगा सिंह गांव गरीह तहसील जालन्धर (ग्रन्सरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अयं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9293 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रीघकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धेर

सारीख: 19 सितम्बर 1975

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

भायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निदेश नं ए पी -1230---यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9294 जनवरी 1975 में है तथा जो उदेपुर जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रघीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रेत: श्रंथ उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन विम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) श्री निर्मेल सिंह सपुत्र श्री उदम सिंह गांव उदयपुर तहसील जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री सौहन सिंह सपुत्र श्री महंगा सिंह गांव गरीह तहसील जालन्यर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं 2 में है (वह व्यक्ति, जिस अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिच रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रद्याय 20-क भें परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9294 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19 सितम्बर 1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिवित्यमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालनधर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निदेश नं ० ए० पी०-1231--यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उंचित बाजार मृल्य 25,000√- रु० से प्रधिक है भौर जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8570 जनवरी 1975 में है तथा जो फजालपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे **दृश्यमान** प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ना के श्रनुसर्थ में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:—

- (1). श्री भीम सैन सपुत्र श्री पूर्ण चन्द गांव जडियाला तहसील फिल्लौर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कश्मीर सिंह सपुत्र श्री चानन सिंह गांव तलवन्डी जटौ तहसील हुशयारपुर (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो 'उक्त भ्रीक्षिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 8570 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19 सितम्बर 1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निर्देश न ० ए० पी०-1232---यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, **आय**कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास क्षरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उंचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है भ्रोर जिसकी सं० जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8483 जनवरी 1975 में है तथा जो सहाराकी (जालन्धर) में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जनवरी 1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के षुष्टयमान प्रतिफल के लिए भन्तरित<sup>्</sup> की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (बा) ऐसी किसी बाय या किसी घन या घन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, 'उन्त घिनियम' की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात् ∺

- (1) श्री भगतराम साधु राम सुपुत्र श्री किरपा राम गांव साहकरी तहसील जालन्धर (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती तेज कौर विधवा श्री मान सिंह धाफ भोजपुर जिला जालन्धर (भन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं॰ 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आओप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्माब्दीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्म होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8483 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जासन्बर

तारीख: 19 सितम्बर 1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, धिनांक 19 सितम्बर 1975

निवेश नं० ए० पी०-1233---यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्जात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है भौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8486 जनवरी 1975 में हैं तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (भ्रोर इससे उपावत **धनुसूची** में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर यह कि ग्रन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गंया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः भवं उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त पधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के भवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधांत :----

- (1) श्री सुर्जन सिंह भलाईस चानन सिंह सपुत्र वघवा सिंह, सपुत्र निक्का सिंह गांव रेडू जिला जालन्घर (भन्तरक)
- (2) श्री यपशाल सपुत्र श्री सतपाल खुलर मार्फेत श्री ग्रशोक कुभार सपुत्र श्री जगदीश मित्र कपूर घाटं प्रैस ग्रड्डा हुशियारपुर (ग्रन्तरिती)
- (3) औसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्मत्ति में घिच रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी श्र से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा जो उस सध्याय में विया गया है।

#### अनुसुची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8486 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्वर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19 सितम्बर 1975

श्रुष्प भाई० टी० एन० एस०----

द्यावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निदेश नं 1234—यद्र:, मुझे, रवीन्द्र कुमार, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 8487 जनवरी 1975 में है तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरिया जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रियकारी के कार्यालय जालन्य सम्प्रीकरण ग्रियकारी के कार्यालय जालन्य में रजिस्ट्रीकरण ग्रियकारी के कार्यालय जालन्य सम्प्रीकरण ग्रियकारी के कार्यालय जालन्य सम्रीकरण ग्रियकारी के कार्यालय जाल्य स्थाविक स्थावि

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नम्हीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी छाय की बाबत 'उक्त प्रधिनियम', के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम,' या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्सिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः मब, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रथितः—

- (1) श्री सुर्जन सिंह ग्रलाईस चानन सिंह सपुत्र निक्का सिंह सपुत वधवा सिंह गांव रेडु तहसील जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जगदीश कुमार सपुत्र सतपाल मार्फत श्री श्रशोक कुमार सपुत्र श्री जगजीश मित्र कपूर शाटें ग्रेत हुशियार-पुर (भन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं 2 में हैं (धह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता हो (यह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यचाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई की आक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की शारीखा से 45 दिन की श्रवधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तिमील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तहरीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितकह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के भास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वों का, जो उन्हा अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होसा जो जस अध्यास में दिया गया है।

### अनुसुची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 8487 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम भविकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्भन रेंज, जक्कान्त्र

तारीख: 19 सितम्बर 1975

प्रकल आई. टी॰ एन॰ एस॰---

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज, जालन्धर

जालनधर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निदेश न० ए० पी० 1242--यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9025 जनवरी 1975 में है तथा जी जगराल में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद धनुसूची में घौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन, दिनांक जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पेरित का उचित बाजार मुल्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से ऐसे कुक्रममरन प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप भन्तरण से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने वक्ते वें सुविधा के लिए; अरैर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियानें में सुविधा के लिए:

अतः अब उनत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) श्री गुरनाम सिंह नारीन्द्र सिंह पुत्र गुलजार सिंह, गांव, तहसील फलौर (धन्तरक)
- (2) श्री सुखवीन्द्र सिंह पुत्र प्रीतम सिंह गांव जगराल, तहसील फलौर (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं. 2 में दिया है वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में उचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजीन के संबंध में कोई भी आंक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 हिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखिक में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9025 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्त्र कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19 सितम्बर 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिसांक 19 सितम्बर 1975

निदेश नं 1243---यतः, मुझे, रबीन्त्र कुमार, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है ब्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 4372, जनवरी 1975 में है तथा जो बरनाला में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप सेक पित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः अब, उक्त अधिनियम, की बारा 269-ग के धनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की बारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्रजीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।----

- (1) श्री मान सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह निवासी बरनाला खास (मन्तरक)
- (2) वि दुझाबा नवांशहर को स्नापरेटिय हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड, नवांशहर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर तम्बर 2 में विया गया है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घलि-.. रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में घघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हैं।

उपत सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में द्विया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4372, फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्त्र कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालस्वर

तारीख: 19 सितम्बर 1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निदेश नं० 1244 ---यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रिवितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं ० जैसा कि रजिस्दीकृत विलेख नम्बर 4711 मार्च 1975 में है तथा जो बरनाला में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मार्च 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सेकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिभात से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; फ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 का 11) या 'उक्त ग्रधिनियम', ग्रधिनियम, 1957 धन-कर (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविधा के लिये;

अत: अब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---10-286 GI/75

- (1) विशाल हाऊस विल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड, नवांशहर (प्रन्तरक)
- (2) कुमारी राज कुमारी पुत्री ग्रर्जन दास निवासी बंगा (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में दिया है (वह व्यक्ति, जिसने मधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त म्रधिनियम' के प्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही धर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूभि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4711, मार्च 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुभार, सक्षम मधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) म्रजन रेज, जालन्धर

तारीख: 19 सितम्बर 1975

(भ्रान्तरिती)

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोंज, जालन्धर

तारीख 19 सितम्बर 1975

निदेश नं ० 1245--यत: मुझे रवीन्द्र कुमार श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया पश्चात् प्रधीन 2.69-खा के सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करेने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/--रुपये से ग्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० जैक्षा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 3144 फरवरी 1975 में है तथा जो गढ़शंकर में स्थित है (भ्रौर इससे उपासद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी 1975 को पूर्वीवत सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उन्त भ्रधि-नियम', के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रस्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्राय-कर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त म्रधिनियम', या धनकर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मन, 'उनत मधिनियम', की धारा 269ग के मनुसरण में, मैं, 'उनत मिधिनियम', की धारा 269-च की उपधारा (1) के भागीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात :--

 श्री कैप्टन रत्न सिंह पुत्र रल्ला राम (श्रन्तरक) निवासी गढ़शंकर

- 1. सोहन सिंह पुत्र छाजु राम, निवासी महलगेला
  - ः 2ः चरण दास पुत्न श्रमर नाथ, ∤निवासी नवांशहर
  - हरजीत सिंह पुत्र ग्रमर नाथ, निवासी नवागहर
  - 4 भगत राम पुत्र लक्ष्मी राम पुत्र मुल्लीराम निवासी गढ्छंकर
- 3. जैसा कि ऊपर नम्बर 2 में दिया है।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

जो ब्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोदस्त

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:---

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

हमब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3144, फरवरी, 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 19-9-75

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

\_\_\_\_\_\_

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर तारीख 19सितम्बर 1975

निदेशनं० 1246--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 4451 फरवरी 1975 में है तथा जो नवांशहर में स्थित है (फ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी 1975 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रातेफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उह्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
1. श्री सत प्रकाण पुत्र जसवन्त राय—पुत्र (श्रन्तरक)

लभु मल, निवासी तहसील गढ़शंकर

- 2. श्री बलदेव कृष्ण पुत्र मानक राम (ग्रन्तरिती) निवासी पाली, तहसील गढ़णंकर
- जैसा कि ऊपर नम्बर 2 में दिया है।
   (वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
   (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोइस्ताक्षरी जानता है कि बइ सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सः बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4451, फरवरी 1975 की रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है ।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19-9-75

#### प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 19 सितम्बर 1975

निदेश नं० 1247--यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' इसमें गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- र० से अधिक है श्रीर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 4452, फरवरी, 1975 में है तथा जो नवांशहर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सुची में प्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्दीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी 1975 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिली (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत व 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ——

 श्री सत प्रकाश पुत्र जसवन्त राय निवासी नवांशहर।

(ग्रन्तरक)

 श्री राम नाथ पुत्र मानक राम निवासी पारली

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नम्बर 2 में दिया है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारें में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके <mark>पूर्वोक्त</mark> सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 4452 फरवरी, 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19-9-75

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर तारीख 19 सितम्बर 1975

निदेश नं ० 1248---यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-ছ৹ से श्रधिक है उचित बाजार मूल्य ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 2895, जनवरी, 1975 में है तथा जो पौसी में स्थित है (फ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, 'उक्त श्रधिनियम, 'के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भश्विनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रधिनियम', या धन कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भत. अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रभीन, निम्नलिखित स्थक्तियों. ग्रथीतु:---

1. श्री धर्म पाल पुत्र खुशीया पुत्र खुरहा, निवासी बधेहरा, तहसील ऊना (भ्रन्तरक)

- श्री पाखर सिंह पूत्र सजन सिंह, पुत्र गुलाब सिंह, निवासी मोरान वाली, तहसील गढ़शंकर। (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नम्बर 2 में दिया है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो स्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। व्यक्ति, जिसके बारे में (वह श्रधोहस्ताक्षरी जानता है िक वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी, श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम,' के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 2895 जनवरी, 1975 की रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 19-9-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 19 सितम्बर 1975

निदेश नं ० 1249—यतः, मुझे, रबीन्द्र कुमार, प्रायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 4260, जनवरी, 1975 में है तथा जो जिल्डियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंद प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक हुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबन, 'उक्त ग्रिधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब 'उम्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों अर्थातु:--

 श्री नरायन कौर पत्नी गंगा सिद्ध निवासी जन्डियाला (ग्रन्तरक)

श्री चरण दास प्यारा राम
 पुत्र भुन्दर दास पुत्र श्रतरा, निवासी
 दियालल, तहसील गढ़णंकर (ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नम्बर 2 में दिया गया है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 4260 जनवरी, 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा: 19-9-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

श्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीख 19सितम्बर 1975

निदेशनं० 1250--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ंख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्द्रीकृत विलेख नम्बर 4025, जनवरी, 1975 में है तथा जो भरोली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1975 उचित बाजार मूल्य से कम को पूर्वोक्स सम्पत्ति के के दुष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः ग्रब, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात् :---

- श्रीमती गुरदेव कौर पत्नी श्री ऊधम
   सिह—-पुत्र प्रमार सिह, निवासी कन्देर (श्रन्तरक)
   कला
- श्रीमती नरन्जन कौर विधवा
   श्री प्यारा सिंह पुत्न दलीप सिंह,
   निवासी भरोली (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि अपर नम्बर 2 में दिया गया है।

(वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वड़ सम्पति में हितबदध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 4025, जनवरी 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, जालन्धर

तारीख: 19-9-75

प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस०---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ग्रारा 269-घ (1) के ग्रधीन श्रुचना

#### भारत सरकार

सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 19 सितम्बर 1975

निदेश नं० 1251---यत: मुझे रविन्द्र कुमार ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

न्नौर जिसकी सं० जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 4272, जनवरी 1975 में है तथा जो जिन्डियाला में स्थित है (श्रीर इससे उगाबद्ध अनुसूची में थ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रोजे ह∷री के कार्यातय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1975 को पुर्वोद्धत सम्पत्ति उचित के बाजार महम कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि मन्तरक (भन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिधिनियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय धायकर घिष्टिसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर धिष्टिसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भव उक्त भ्रिधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उक्त भ्रिधिनियम, की धारा 269-घ की (उपघारा 1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत:--

- 1. श्री नरायण कौर पत्नी गंगा सिंह (ग्रन्तरक) निवासी जान्डियाला, तहसील नवांग्रहर
- 2. श्री सर्वन सिंह पुत्र सुन्दर दास (श्रन्तरिती) पुत्र श्रतरा, दलालन, तहसील गढ़शंकर
- जैसा कि ऊपर नम्बर 2 में दिया है।
   (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 4272, जनवरी, 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीखाः 19-9-75

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

(ग्रन्तरक)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

म्राजन रेंज जालन्धर तारीख 19सितम्बर 1975

निवेशनं० 1252--यतः मुझे रबीन्द्र कुमार

प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है) की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृग्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख मम्बर 3003, जनवरी 1975 में है तथा जो गांघ पौसी में स्थित है (घौर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1975 की सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तंग पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक 🤏 से कथित महीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

कत: अब 'उन्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरफ में, मैं, 'उन्त अधिनियम' की घारा 269-घ की उपघारा (1) के सधीन निम्निविक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री धर्म पाल पुत्र खुशी राम
 (भ्रन्तरक)
 निवासी बधेरा , तहसील ऊना, भ्रव गांव
 पौसो, तहसील गढ़शंकर।
 11—286GI/75

- (1) भिकार सिंह पुत्र चरण सिंह, पुत्र सर्जन सिंह,
  - (2) पाखार सिंह पुत्र सरजन सिंह, निवासी मरानवली
- 3. जैसा कि नम्बर 2 में दिया गया है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो ब्यक्ति सम्पत्ति में हिच रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

भृमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 3003 जनवरी, 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धरम लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 19-9-1975

प्रारूप श्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भर्जन रेंज जालन्धर

तारीख 19 सितम्बर 1975

निदेश सं० 1253—-यतः मुझे रवीन्द्र कुमार म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्टीकृत विलेख नम्बर 4184 जनवरी 1975 में है तथा जो कमम में स्थित है (ग्रीर इससे उपावब श्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय के बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः मन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त मधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात :—

- श्री इन्द्रजीत तिह, पर्मजीत तिह, ग्रमरजीत तिह पुत्र धनूप सिंह, जसवन्त कौर पुत्री हरबन्स कौर विधवा श्रनूप सिंह, तथा सरुप सिंह पुत्र दिलवाग सिंह
- 2. 1. रत्न सिंह पुत्र गिरधारी सिंह (श्रन्तरिती)
  2. दर्शन सिंह पुत्र देलीप सिंह,
  निवासी कमम
- 3. जैसा कि ऊपर नम्बर 2 में दिया गया है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्घ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीइत विलेख नम्बर 4184, जनवरी 1975की रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्छर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज जालन्धर

तारीख: 19-9-75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय, धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 29 ग्रगस्त 1975

निर्देश सं० 21—वी/धर्जन—प्रतः, मुझे, बिशम्भर नाय धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भिधिक है

भीर जिस की सं० है तथा जो मो० श्रयोध्या गंज कस्वा उक्तियानी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बदायूं में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 3-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्राधिनयम', के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, ∤जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम', या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः श्रव 'उक्त' श्रधिनियम', की घारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की घारा 269-घ की उपघारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:- (1) श्री विशन दास व धन्य

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीविनोदकुमार व ग्रन्य

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिये एतक्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी अपिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अपिक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थं होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

एक किता तीन मंजिला इमारत (केवल टाकीज) का 2/5 भाग जिसका रकवा 1571 वर्ग गज है। जो कि मो० भ्रयोध्यागंज कस्वा उक्षियानी जिला बदायूं में स्थित है।

> विशम्भर नाय सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज लखनऊ

तारीख : 29-8-75

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 18th September 1975

No. P/1837-Admn.I.—Dr. V. S. Misra, formerly Reader, Education Department, Allahabad University who was earlier appointed as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission up to 12th September 1975 vide this office Notification of even number dated 16th August 1975 has been allowed to continue in the said post up to 29th February, 1976, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
for Chairman
Union Public Service Commission

# New Delhi-110011, the 22nd September 1975 CORRIGENDUM

No. A 11013/2/74-Admn.II.—In partial modification of Union Public Service Commission's notification of even number dated 6th September 1975 (15th Bhadra, 1897) regarding appointment of certain Section Officers/Assistants of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission to officiate, on ad hoc basis, as Section Officer (Special) in the Commission, in para 1, for words "or until further orders" the words "or until further orders, whichever is earlier" shall be substituted.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
for Secretary
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 14th August 1975

- No. A. 32013/1/75-Admn.—The President is pleased to appoint Shri T. D. Joshi a permanent officer of the Section Officer's Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a further period of 12 days with effect from 20th July 1975 to 31st July, 1975.
- 2. Shri T. D. Joshi relinquished charge of the office of Under Secretary with effect from the afternoon of 31st July, 1975.
- 3. On his reversion, Shri Joshi, resumed the charge of the office if Section Officer, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of 31st July, 1975.

#### The 17th September 1975

No. A. 32014/1/75-Admn.III(1).—The President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 11th August 1975 to 25th September, 1975 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III(2).—The President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of he Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a perod of 46 days from 16th August, 1975 to 30th September, 1975, or until further orders whichever is earlier,

No. A.32014/1/75-Admn.III(3).—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secre and Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 62 days from 1st September, 1975 to 1st November, 1975 or until further orders, whichever is earlier

No. A.32014/1/75-Admn.III(4).—The President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Comm ssion, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 1st September, 1975 to 16th October, 1975, or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III(5).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 1st September, 1975 to 16th October, 1975 or until further orders, whichever is earlier.

#### The 18th September 1975

No. A. 32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Miss S. T. Keswani, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for the period from 11th August, 1975 to 25th Sep ember, 1975 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Addy, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretaria Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 46 days from 16th August, 1975 to 30th September, 1975 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

#### The 19th September 1975

No. P-633/Admn.III.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (4) of rule 17 read with sub-rule (2) of rule 15 of the Central Secretariat Service Rules, 1962, the President is pleased to revert Shri K. L. Sharma, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of U.P.S.C, and officiating as Section Officer, to his substantive post of Assistant in the same cadre w.e.f. the fosenoon of the 16th September, 1975.

P. N. MUKHERJEE Under Secretary (Incharge of Administration) Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 10th September 1975

N. A.32014/1/75-Admn.I.—The President is pleased to allow Shri M. C. Khurana, officiating Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) in the cadre of the Union Public Service Commission, who was appointed to officiate as Private Secretary (Selection Grade of CSSS) on a temporary and ad hoc basis up to 31st August 1975 vide Notification of even number dated 24 h July, 1975, to continue to officiate in the same capacity on a purely temporary and ad hoc basis for a further period from 1st September, 1975 to 27 h September, 1975 or until further orders, whichever is earlier.

#### The 11th September 1975

No. A. 32014/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri P. P. Sikka, permanent Personal Assistant (Grade II of CSSS) of the cadre of Union Public Service Comm.ssion, to officiate as Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) in the same cadre on purely temporary and ad hoc basis for a period of 3 months with effect from 5th September, 1975 (FN) to 4th Dec.mber, 1975 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. Shri P. P. Sikka should note that his appointment as Senior PA (Grade I of CSSS) is purely temporary and on ad hoc basis and will not confer on him any title for absorption in Grade I of CSSS or for seniority in that grade.

No. A-32014/1/74-Admn.I.—Shri S. P. Mehra, a permanent Grade II officer of the CSSS Cadre of the Union Public Service Commission, who was appointe to officiate on a purely ad hoc basis in Grade I of the service vide this office Notification of even number dated the 24th July, 1975 has been reverted to Grade II of the same service in the same cadre with effect from the afternoon of 31st August, 1975.

No. A.32014/1/74-Admn.I.—Shri P. P. Sikka, a permanent Grade II officer of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission, who was appointed to officiate on a purely ad hoc bas's in Grade I of the service vide this office Notification of even number dated the 1st July, 1975 has been reverted to Grade II of the same service in the same cadre with effect from the afternoon of 3rd September, 1975.

P. N. MUKHERJEE Under Secretary Union Public Service Commission

#### CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)

#### ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 10th September 1975

No. A-11/25/75.—Shri M. J. Soman Supdt. Central Excise Bombay is appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in Bombay Zonal Office of the Enforcement Directorate with effect from 19th August, 1975 and until further orders.

S. B. JAIN Director

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 23rd September 1975

No. A-35013/3/75-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Chakraborty, an IPS Officer of West Bengal Cadre, on deputation as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the forenoon of 10th September, 1975.

No. A-35013/9/75-AD-V.—The President is pleased to appoint on deputation Shri D. N. Sahaya, an IPS Officer of Bihar Cadre as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from afternoon of 10th September, 1975 until further orders.

Shri K. Prakash, IPS—Bihar was relieved of his duties as Supdt. of Police/CBI/SPE on the afternoon of 10th September, 1975. His services were placed back at the disposal of the state Government.

#### The 24th September 1975

No. PF/D-10/74-AD-V.—Shri D. C. Vajpai, Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, CW, Calcutta relinquished charge of his office of Supd. of Police in the CBI/SPE on the alternoon of the 4th August, 1975 on repairiation to his Parent State.

G. L. AGARWAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE New Delhi-110001, the 23rd September 1975

No. O.II-1031/75-Estt(CRPF).—The D.rector General, CRPF is pleased to appoint Dr. Prabhas Chandra Mahapatra as Junior Medical Officer in the CRP Force, on an ad hoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 7th July, 1975.

2. Dr. Prabhas Chandra Mahapatra, is posted to 45th Bn CRPF.

#### The 24th September 1975

No. F.2/37/75-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint on deputation Shri I. K. Sehgal, an officer of the Directorate General, P. & T. as Asstt. Director (Accounts), CPAU, in the Dte. General CRPF wef the Forenoon of 11th September, 1975 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm)

### OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 17th September 1975

No. E-38013(3) /8/75-Ad.I.—On transfer from Durgapur, Shri K. P. Nayak assumed the charge of the post of Assistant Commandant/Central Industrial Security Force Unit, Calcutta Port Trust, Calcutta with effect from the forenoon of 25th August, 1975 vice Shri B. K. Chakrabarty who relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

#### The 18th September 1975

No. E-38013(3)/11/75-Ad.I.—On transfer from Ranchi, Lt. Col. G. C. S. Bisht, assumed charge of the post of Commandant, Central Industrial Secur ty Force Unit, Bharat Heavy Electrical Limited (Heavy Electrical Equipment Plan), Hardwar with effect from the Forenoon of 3rd September, 1975

#### The 20th September 1975

No. E-31013(2)/5/74-Ad.L.—The President is pleased to appoint inspector S. C. Jana to officiate as Assistant Commandant, Cenral Industrial Security Force, Fertilizer Corporation of India Ltd., Haldia with effect from the Forenoon of 18th August, 1975, until further order, who assumed the charge of the post with effect from the same date.

No. E-32015(2)/5/74-Ad.I.—The Pesident is pleased to appoint Inspector N. S. Yadav to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force, O.G.P., Durgapur with effect from the Forenoon of 22nd August, 1975, until further order, who assumed the charge of the post with effect from the same date.

No. E-32015(3)/1/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Bhavanandam, as Assistant Commandant Central Industrial Security Force Unit, Madras Port Trust, Madras, on re-employment, with effect from the forenoon of 1st September 1975, until furher orders.

No. E-38013(3)/8/75-Ad.I.—On transfer from Calcutta, Shri B. K. Chakrabarty assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the Fo.enoon of 1st September, 1975.

No. E-38013(3)/21/75-Ad.I.—On transfer to Namrup, Shri P. P. Mitra, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Calcutta Port Trust, with effect from the Afternoon of 2nd September, 1975.

L. S. BISHT Inspector General

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 16th September 1975

No. 11/7/75-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri H. L. Kalla, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Jammu & Kashmir. Srinagar as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, on ad-hoc basis, for a period of six mon hs with effect from the forenoon of 30th August, 1975, or till the post is regularly filled up, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri H. L. Kalla will be at Bhopal.

BADRI NATH,
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Dy. Secy.

# MINISTRY OF FINANCE \*DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 20th September 1975

No. 936/(A).—In continuation of Notification No. 3332/(A) dated the 31st January, 1975 the ad-hoc appointment of Dr. V. S. Sahasrabuddhe, M.B.B.S. as Junior Medical Officer is further extended up to 30th

September, 1975 on the same term and conditions or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

> V. J. JOSHI General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KARNATAKA

Bangalore, the 8th September 1975

No. ESI/A4/331.—Accountant General is pleased to promote until further orders and without prejudice to the claims of his seniors Sri K. Viswanatha Shenoy, a permanent Section Officer of this office as Accounts Officer in a purely officiating capacity from the date he takes charge of the duties as Accounts Officer.

E. V. CHANDRASEKHARAN Sr. Dy. Acctt. Genl. (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 16th September 1975

No. Estt/Entt/VI/10-3/164.—Shri P. P. Philip, Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala retired from service on superannuation in the A.N. of 31st August, 1975.

R. C. GHEI Accountant General

### OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, CENTRAL RAILWAY

Bombay V.T., the 19th August 1975

G.O.O. No. 346.—The following officiating Audit Officers of this office are confirmed in the posts of Audit Officers with effect from the dates shown against each.

- (i) Shri A. N. Pandya-1st March 1975. 1975.
- (ii) Shri J. L. Narasimhan—1st June 1975.

KULVANT SINGH Chief Auditor

### OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 17th September 1975

No. Au/Admn/II/2/996.—The Chief Auditor, South Central Railway, Secunderabad is pleased to confirm S/Shri Subramanyam Sharma and S. Kesavan Potti, Audit Officers against two permanent posts of Audit Officers in the Office of the Chief Auditor, South Central Railway, Secunderabad with effect from 1st March, 1975.

K. C. THOMAS Audit Officer (Admn)

# MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES Coloutty 700069, the 18th September 1975

Calcutta-700069, the 18th September 1975

No. 2/75/M.—The President is pleased to grant extension of Service for one year w.e.f. 1st February, 1975 to

Dr. S. K. Biswas, tempy. Asstt. Surgeon Grade I, Cordite Factory, Aruvankadu,

R. M. MUZUMDAR Director General, Ordnance Factories.

# MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 15th September 1975

No. 6/744/65-Adm<sup>n</sup>(G)/10097.—The P-esident is pleased to appoint Shri P. C. S. Pissurlencar, Controller Class-II in the Office of the Joint Chief Co troll r of Imports and Exports, Bombay, as Deputy Chief Controller of Impor's and Exports in that office for the period from 3rd April, 1975 to 17th June, 1975.

#### The 16th September 1975

No. 6/111/54-Admn(G)/10190.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Mathur, an officer offic ating in the Selection Grade of the C.S.S. as Joint Chief Controller of Imports and Expor's in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for a further period from 26th July, 1975 to 8th August, 1975.

#### The 19th September 1975

No. 6/1075/75-Admn(G)/10196.—On attaining the age of superannuation, Shri M. B. Tawadey, an officer officiating in Grade I of the C.S.S. relinquished charge of the post of Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st August, 1975.

B. D. KUMAR Chief Controller of Imports and Exports,

New Delhi, the 17th September 1975

No. 6/1078/75-Admn(G) 10119.—The Chief Conroller of Imports and Exports is pleased to appoint Shri G. D. Singh, Senior Translator (Hindi) as Hindi Officer in this Office, on a purely temporary and ad-hoc basis for a period of 3 months with effect from 25th August, 1975 (Forenoon).

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 23rd September 1975

No. EST.I-2(635).—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 4th August, 1975 and until further orders Shri M. M. Chakraborty, Technical Investigator in the Regional Office of the Textile Commissioner, Calcutta, as Assistant Director, Grade II(N.T.) in the Weavers' Service Centre, Varanasi.

VIRENDRA B. VERMA Deputy Director (Admn.)

#### DEPARTMENT OF SUPPLY (DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS)

New Delhi, the 18th September 1975

No. A-6/247(262)/60.—Shri A. N. Kampani, Denuty Director of Inspection in the Engg. Branch of Grade II of the Indian Inspection Services, Class I under the Direc-

torate General of Supplies and Disposals retired from Govt, service in the afternoon of 31st August, 1975 on attaining the age of superannuation from Headquarters office.

K. L. KOHLI
Dy. Director (Admin s ration)
for Director General of Supplies & Disposals

#### MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 15th September 1975

No. 6180/B/40/59(NG)/19A.—Shri N. Gururaja'ah, Ass's ant Administrative Officer, Geological Survey of Ind'a, is released on reversion to his parent Department with effect from the afternoon of 7th Ap il, 1974.

#### The 20th September 1975

No. 6309/B/4/72/19A.—Shri G. N. Choora, Stores Superintendent (Tech.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Stores Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of 4th August, 1975 until further orders.

V. K. S. VARADAN Director General

### ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-700013, the 23rd August 1975

No. 4-110/75/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Madhu Sudan Dutta to a post of Assistant Keeper in the North East India Station of this Survey at Shillong, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 11th August, 1975, until further orders.

C. T. THOMAS Surveyor General of India

#### SURVEY OF INDIA

Dehradun, the 19th September 1975

No. El-4998/698-Map Curator.—The ad-hoc appointment of Shri A. B. Sarkar as Map Curator (G.C.S. Class II) in Eastern Circle Office, Survey of India from 17th December, 1973 vide this office Notification No. C-4805/698-Map Curator dated the 1st February, 1974, is, hereby, terminated w.e.f. 30th June, 1975 (A.N.).

HARI NARAIN Surveyor General of India

Dehradun, the 20th September 1975

N.o El-5001/1117-LPR.—The Surveyor General of Ind a is pleased o retire Shri H. L. Nanda, Estables me it and Accounts Office (Officiating) of the Indian Photo-interp etation Institute, Survey of India, Dehradun from the Government Service on superannuation with effect from 31st August, 1974 (AN).

No. El. 5002/1117-LPR.—The Surveyor General of India is pleased to retire Shri Hari Sara, Officer Surveyor (Officiating) of No. 1 Drawing Office (M.P.), Survey of India, Dehradun from Government Service with effect from 31st July, 1974 (AN).

J. K. DONALD Assistant Surveyor General

### DIRECTORATE GENERAL; ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 15th September 1975

No. 6(63)/63-SI.—Shri Ch. Prasada Rao, ad hoc Programme Executive. All India Radio, Visakhapatnam relinquished charge of his post on the afternoon of the 30th June, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

No. 6(110)/63-SI.—Shri P. T. Mathew, ad hoc Programme Executive All India Radio, Panaii relinquished charge of his post on the afternoon of 30th June, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

No. 6(128)/63-SI.—The Director General. All India Radio hereby appoints Shri M. S. Srihari, Transmission Executive, All India Radio, Bangalore as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 30th June, 1975 and until further orders.

No. 5(86)/67-SI.—Shri I. R. Mohan Rao. ad hoc Programme Executive, All India Radio, Visakhapatham relinquished charge of his post on the afternoon of the 30th June, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

No. 4/13/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints. Shri V. R. Patwardhan as Programme Executive All India Radio. Bombay in a temporary capacity with effect from the 1st August, 1975 and until further orders.

#### The 22nd September 1975

No. 4(53)/75-SI.—The Director General. All India Radio hereby appoints Shri Bharat Ratna Bharava as Programme Executive. All India Radio. New Delhi in a temporary capacity with effect from the 29th July, 1975 and until further orders.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration
for Director General

#### New Delhi, the 18th September, 1975

No. 2/4/75-SIII—The Director General, All India Radio hereby appoints the following Officers in the Cadre of Asstt. Engineer in All India Radio in an officiating Canacity at the Offices/Stations of All India Radio as shown against their names with effect from the date mentioned against each until further Orders:—

S. Name of the No. Officer		Office/Static n where posted	Date of appoint- ment	
1	2	3	4	
	ari P. S. V. Surya- rayana Murthy .	AIR, Bhadrayati	26-8-75	
	nri Ashok Kumar	AIR, Lucknow	13-8-75	

3. Shri Paramjit Singh	TV Centre, AIR, Calcutta	27-8-75
4. Shri R. Subhuraj .	AIR, Bangalore	5-9-75
5. Shri Bijit Parkayastha	AIR, Calcutta	13-8-75
6. Autar Krishan Ticku	TV Centre AIR, Srinagar	5-9-75
7. Shri Atul Seth .	TV Centre, AIR, Calcutta	3-9-75
8. Shri R. Kumaravelu	TV Centre AIR, Madras	14-8-75
9. Shri C. Balachandra Pillai	n TV Centre AIR, Madras	23-8-75
10. Shri Surjit Singh Bindra	TV Centre AIR, Calcutta	27 <b>-</b> 8-75
11. Shri Chhabi Raj Singh	TV Centre AIR,, Calcutta	5-9-75
12. Shri Satya Pal .	AIR, Bhopal	1-9-75
13. Shri Arun Pahwa .	TV Centre AIR, Srinagar	1-9-75
14. Shri S. C. Rudra ,	AIR, Calcutta	20-8-75
15. Shri B. Tamil Vamar	TV Centre AIR, Madras	1-9-75
16. Shri Dharamdev Menghani . ,	AIR, Bombay	5-9-75
17. K.S.P.S. Tomar .	HPT, AIR, Aligerh	4-9-75

P. K. SINHA Deputy Director of Admn. for Director General

### MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILM DIVISION

Bombay-400026, the 23rd September 1975

No. A.19012/1/75-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoint Shri K. Jagajivanram, to officiate as Cameraman in the Films Division, New Delhi with effect from the 13th August, 1975 (forenoon), until further orders.

M. K. JAIN Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 24 h September 1975

No. 41-84/75-D.—The President is pleased to appoint Shri B. L. Na k, Assistant Drugs Controller (India) in the Directorate General of Health Services, New Delhi, to the post of Deputy Drugs Controller (India), Central Drugs Standard Control Organisation, West Zone, Bombay on the forenoon of 10th September, 1975 and until further orders.

R. BALASUBRAMANYAN
Deputy Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

New Delhi, the 17th September 1975

No. 16-17/74-SI.—The President is pleased to appoint Shri Y. K. Aggarwal as D.A.D.G. (MS), in the Medical Store Organisation on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 17th June, 1975 in the Medical Store Depot. Karnal and until further orders.

SANGAT SINGH Deputy Director Administration (Stores)

... New Delhi, the 17th September 1975

No. 35-1/75-CHS.L.—Consequent on his transfer Dr. Satish Kumar an officer of G.D.O. Grade II of the C.H.S. relinquished charge of the post of Junior Medical Officer under C.G.H.S. New Delhi on the forenoon of the 4th August, 1975 and assumed charge of the post of G.D.O. Grade II of the C.H.S., in the Safdarjang Hospital, New Delhi on the forenoon of the 4th August, 1975 in the same capacity and on the existing terms and conditions.

R. N. TEWARI

Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 19th September 1975

No. 17-31/72-Admn.I.—Consequent on his appointment as Deputy Drugs Control (India), West Zone, Bombay, Shri B. L. Naik relinquished charge of the post of Assistant Drugs Controller (India) in the Directorate General of Health Services on the afternoon of 1st September, 1975.

S. P. JINDAL Dy. Director Administration (O&M)

# MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE) DIRECTORATE OF AGRICULTURAL AVIATION

New Delhi, the 19th September 1975

No. 1-27/75-Adm.I.—Shri Krishan Lal, Assistant Administrative officer (Rs. 650—1200) in the Directorate of Agricultural Aviation, New Delhi is reverted to the post of Superintendent (Rs. 550—750) with effect from the forenoon of 16th September 1975.

S. SAHNI (Gp. Capt.)

Director of Agricultural Aviation

#### DIRECTORATE OF EXTENSION New Dolhi-1, the 12th September 1975

No. F. 2(4)/74-Estt.(I) On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri P. K. Kole, officiating Assistant Exhibition Officer of the Directorate of Extension, is appointed to the temporary post of Assistant Livestock Officer, G.C.S. Class II (Gazetted) (Non-Ministerial), in the scale of Rs. 650-30-740-35-\$10-EB-35-\$20-40-1000-EB-40-1200 in the Directorate of extension, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture), with effect from the forenoon of the \$th September, 1975 on deputation basis for a period not exceeding 3 years

#### The 17th September, 1975

No. F. 2(6)/71-Estt.(I).—Shri K. L. Issar, officiating as Special Officer (Projects), Class II (Gazetted) (Non-Ministrial), in the scale of Rs. \$40-40-1000—EB-40-12-286GI/75

1200 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture), on ad-hoc basis, is continued to officiate in the post beyond the 31st August, 1975, upto the 31st December, 1975 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

N. K. DUTTA, Director of Administration

## (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION HEAD OFFICE

Faridabad, the 12th September 1975

No.F. 4-5(46)/74-A.I.—On his attaining the age of 58 years, Shri O. N. Garg, Marketing Officer, Lucknow, Superannuated from Government Service with effect from 31st July 1975, (Afternoon).

#### The 16th September 1975

No. F. 1/169/71-A.I.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, S/Shri G. D. Bhogale and M. N. Dhume, ad hoc Dy. Senior Marketing Officers, Group II, have been appointed to officiate as Deputy Senior Marketing Officer, Group II on a regular basis w.e.f. 23rd August 1973, until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (DERECTORATE OF PURCHASE AND STORES)

Bombay-400 001, the 9th September 1975

No. DPS/A/32011/2/75/Est.—In continuation of this Directorate netification of even number dated July 25, 1975, Director, Purchase and Stores appoints Shri V. R. Natarajan, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Gujarat, on deputation to this Directorate, as a temporary Assistnt Accounts Officer on an ad hoc basis in the same Directorate for a further period from August 1, 1975 to September 30, 1975.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer,

### (POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION)

Bombay-400005, the 17th September 1975

No. PPED/3(236)/75-Adm./1088.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri C. Marichamy, a temporary Scientific Assistant 'B' in this Division as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1975 until further orders.

No. PFED/3(236)/75-Adm./1092.—Director, Power Prejects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri S. G. Avata, a tempurary Draught-man 'C' of Bhabha Atomic Research Centre, presently serving on deputation (without deputation duty allowance) to this Division, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division, in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975 until further orders,

G. S. KHURANA,
Assistant Personnel Officer
for Director.

#### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 19th September, 1975

No. AMD/1/18/75-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Vinay Bhalla as Scientific Officer/Engineer (Geology) Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the forenoon of 15th September, 1975, until further orders.

S. RANGANATHAN, Sr. Administrative & Accounts Officer.

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-110022, the 12th September, 1975

No. A. 32014/2/74-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Assistant Communication Officer in the officiating capacity and until further orders with effect from the date indicated against each:

S. No.	ame	Date from which appointed	Station to which posted
1. Shri S. D. Chor	pra	11-8-75 (F.N.)	A.C.S., Bombay
2. Shri S. Sankaran	arayana		A.C.S., Bombay

#### The 22nd September, 1975

No. A. 12025/5/75-EC—The President is pleased to appoint the following persons in the Aeronautical Communication Oraganisation of the Civil Aviation Department as Communication Officer on a temporary basis with effect from the date shown against each and until further orders:—

S. Name No.	Office/Station to which posted
1. Shri Dharam Vir Singh Dahiya	A.C.S., Safdar- jung Airport, New Delhi.
2. Shri Ishwar Dayal Sharma	A.C.S., Calcutta Airport, Dum Dum.
3. Shri Umesh Kumar	A.C.S., Sufdar- jung Airport, New Delhi.

#### The September 1975

No. A. 12025/4/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri Mohinder Kumar Seth as Technical Officer in the Radio Construction and Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi on a temporary basis with effect from the 25th August, 1975 (F.N.) until further orders.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

#### New Delhi, the 15th September 1975

No. A-32013/1/75-E(H).—The President has been pleased to appoint Shri S. Majumdar, Controller of Communication as Regional Director, Bombay Region in the Civil Aviation Department with effect from the 9th September, 1975 (F.N.) and until further orders.

T. S. SRINIVASAN, Assistant Director of Administration,

### COLLECTORATE OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

CUSTOMS ESTABLISHMENT

Madras-600001, the 4th September 1975

No. 14/75.—Shri S.E. HEIDEN, permanent Senior Grade Preventive Officer Cochin Custom House, promoted to officiate as Preventive Inspector in the Cochin Custom House vide Order No. 126/75 dated 15th July 1975, assumed charge on the forenoon of 17th July 1975.

No. 15/75.—Shri V. LOGANATHAN, permanent Senior Grade Preventive Officers Madras Custom House, promoted to officiate as Preventive Inspector in the Madras Custom House vide Order No. 125/75 dated 15th July 1975, assumed charge on the forenoom of 15th July 1975.

No. 16/75.—Shri S. RAMAMURTHY permanent Senior Grade Preventive Officer, Madras Custom House, promoted to officiate as Preventive Inspector in the Madras Custom House vide Order No. 124/75 dated 15th July 1975, assumed charge on the forenoon of 15th July 1975.

No. 17/75.—Shri P. VIJAYARAM, permanent Senior Grade Preventive Officer, Cochin Custom House, promoted to officiate as Preventive Inspector in the Cochin Custom House vide Order No. 126/75 dated 15th July 1975, assumed charge on the forenoon of 11th August, 1975.

G. SANKARAN, Collector of Customs. Madras

#### Shillong, the 10th September 1975

No. 2/75.—Shri R. R. Choudhury a permanent Inspector (S.G.), Customs & Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Supdt. (CI.II) until further orders. Shri R. R. Choudhury assumed charge as Supdt. of Customs & Central Excise, Agartala on 11th August, 1975 (F.N.).

No. 3/75.—Shri Nirmalendu Dhar, A permanent Inspector (S.G.), Customs & Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Supdt. (Cl. II) until further orders, Shri Nirmalendu Dhar assumed charge as Supdt. of Customs & Central Excise, Gauhati on 18th August 1975, (F.N.).

No. 4/75.—Shri Sadananda Barua, a permanent Inspector (S.G.) of Customs & Central Excise of Shillong Collectorate was appointed to officiate as Supdt. (Cl. II) until further orders. Shri Barua assumed charge as Supdt. of Customs & Central Excise, Sibsagar on 18th August 1975, (F.N.).

No. 5/75.—Shri D. M. Chanda a permanent Inspector (S.G.) of Customs & Central Excise of Shillong Collectorate was appointed to officiate as Supdt. (Class II) until further orders. Shri Chanda assumed charge as Supdt. of Customs & Central Excise, Shillong on 1st September 75 (F.N.).

9. C. NIYOGI, Collector Customs & Central Excise, Shillong,

#### Allahabad, the 16th September 1975

No. 106/1975.—Shri Jagdish Prasad Tewari, officiating Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Bareilly and appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, vide this Office Establishment Order No. 212/1975, dated 30th July 1975, issued under Endorsement C. No. II(3)2-Et/75/28088, Jated 31st July 1975, assumed charge of the Office of the Superintendent; Central Excise, Class II, in the Central Excise Integrated Divisional Office, Mirzapur on 16th August 1975, (forenoon).

No. 131/1975.—Shri Kanti Krishna Pathak, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office Rampur and appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, vide this Office Establishment Order No. 212/1975, dated 30th July 1975—issued under Endorsement C. No. II(3)2-Et/75/28088, dated 31st July 1975, assumed charge of the office of the Superintendent, Central Excise, Class II at Amroha, in the Central Excise Integrated Divisional Office, Rampur on 4th August 1975, (forenoon). Shri R. D. Singh Superintendent, Central Excise, Class II relinquished the additional charge of the said post, the same date and hour.

#### The 18th September 1975

No. 112/1975.—Shri S. S. Nigam, officiating Superintendent, Central Excise, Class II, previously posted as Superintendent (Prev.) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Sitapur, handed over the charge of the office of the Superintendent (Prev.) Central Excise Integrated Divisional Office, Sitapur on 31st August 1975, (afternoon) to Shri Jagadish Prakash, Superintendent, Central Excise, Class II and retired from Government service with effect from the said date and hour.

H. B. DASS
Collector
Central Excise, Allahabad

### DIRECTORATE OF INSPECTION CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 19th September 1975

No. 12/1975.—Shri K. P. Roy Chowdhury, lately posted as Assistant Collector of Central Excise, Calcutta, assumed charge as Inspecting Officer Incharge, East Regional Unit of the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise, at Calcutta on the 12th September, 1975 (Forenoon) vice Shri K. R. Ghose transferred.

B. S. CHAWLA Director of Inspection Customs and Central Excise

#### NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-47006, the 17th September 1975

No. 25.—Shri S. N. Shinde, Officiating Superintendent of Central Excise Class II, previously posted as District Opium Officer, Mandsaur I Division is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 810 in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1st January, 1975.

No. 26.—On his transfer from Nagpur Collectorate, Shri B. P. Rekhde, Superintendent of Central Excise Class II, took over charge as District Opium Officer, Pratabgarh in the forenoon of the 11th August, 1975 vice Shri Santok Singh transferred.

No. 27.—On his transfer from Allahabad Collectorate, Shri A. P. Mathur, Superintendent of Central Excise Class II took over charge as District Opium Officer, Barabanki II Division in the afternoon of the 16th August, 1975 vice Shri U. C. Verma transferred.

No. 28.—On his promotion and transfer from Directorate of Emergency Risks Insurance Schemes, Kanpur, Shri G. C. Lal of Nagpur Collectorate took over charge as District Opium Officer, Tihar, District Shahjahanpur in the afternoon of 7th August 1975 vice Shri B. N. Rai transferred.

No. 29.—On his transfer from Aklera Division Shri Gorak Nath, District Opium Officer, took over charge as superintendent (Executive) at Ghazipur in the afternoon of 4th August, 1975 vice Shri D. R. Sharma transferred.

No. 30.—On his transfer from Ghazipur, Shri D. B. Sharma, Superintendent (Executive) took over charge as District Opium Officer, Chittorgarh II Division in the afternoon of 13th August, 1975 relieving Shri G. D. P. Sinha of the additional charge.

No. 31.—On his transfer from Bhilwara Division, Shri G. D. P. Sinha, District Opium Officer took over charge as Superintendent (Executive) in the office of the Narcotics Commissioner, Gwalior with effect from 28th August 1975, forenoon.

No. 32.—Shri U. C. Verma, Superintendent of Central Excise Class II then posted as District Opium Officer, Barabanki II Division is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 810 in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1st November 1974.

A. SHANKER Narcotics Commissioner of India

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 16th September 1975

No. A-19012/70/71-Adm.V.—Consequent on his selection by the Union Public Service Commission as Geophysicist (Junior) in the Geological Survey of India, Shri Krishna Nand was relieved of his duties as Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group) in the Central Water and Power Research Station, Poona, with effect from the afternoon of 2nd August, 1975.

#### The 19th September 1975.

No. 32014/2/70-Adm. V (Vol. IV).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Class II), the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri Mangat Ram working as Extra Assistant Director on ad-hoc basis, in the grade of EAD/AE/ARO (Engg.), in the Central Water Commission on a regular basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, in an officiating capacity with effect from the 15th September, 1972

Shri Mangat Ram will be deemed to be on probation in the grade of EAD/AE/ARO(Engg.) for a period of two years with effect from the aforesaid date.

K. P. B. Menon, Under Seey. for Chairman, C.W. Commission

#### INTEGRAL COACH FACTORY

Madras-600038, the 22rd September 1975

No. PB/GG/9/Misc.II.—The resignation submitted by Sri N. Balaraman, Officiating Assistant Accounts Officer (Class II) now on deputation with Bharat Heavy Electricals Ltd., Trichirappalli has been accepted with effect from 3rd July, 1975 (F.N.).

Sri S. Sankaralingam, Officiating Senior Electrical Engineer/Maintenance (S.S.) (ad-hoc) has been reverted and posted as Temporary Assistant Works Manager/Electrical with effect from 12th August, 1975.

Sri C. S. Venkataraman, Officiating Assistant Controller of Stores/Purchase/Shell (Class II) has been promoted to officiate as District Controller of Stores/Purchase/Furnishing (S.S.) (ad-hoc) with effect from 1st September, 1975.

Sri S. Balasubramaniam, Officiating Stores Inspector (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Controller of Stores/Purchase/Shell (Class II) with effect from 2nd September, 1975.

Sri P. V. Ramamurthy, Officiating Additional Chief Mechanical Engineer (S.A. Level-II) has been promoted as Officiating Chief Mechanical Engineer (S.A. Level-I) with effect from 5th September, 1975.

Sri A. K. Ganesh, Officiating Assistant Works Manager/M/S (Class II) (ad-hoc) has been reverted to Class III service with effect from the afternoon of 11th September, 1975.

S. SUBRAMANIAN
Deputy Chief Personnel Officer
for General Manager

#### NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 8th September 1975

No. 9.—The following Class III Staff of Transportation (Traffic) and Commercial Department have been appointed to officiate in Class II Service in the same Department from the dates noted against each:—

- (i) Shri K. L. Sabharwal—25-6-75 F.N.
- (ii) Shri N. C. Soti-27-5-75 A.N.
- (iii) Shri J. C. Verma-31-5-75 A.N.

V. P. SAWHNEY General Manager

#### CENTRAL RAILWAY

V.T. Bombay, the 15th September 1975

No. HPB/220/G/I(W).—Shri Satya Bhushan who was appointed as Probationer in the Indian Railway Services of Engineers is confirmed as Assistant Engineer in the Junior Scale with effect from 6th July, 1973.

S. P. JAIN General Manager

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Muzaffarpur Radhasoami Bank Private Limited (in Aquidation)

Kanpur, the 18th September 1975

No. 9330/191-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Muzaffarpur Radhasoami Bank Private Limited (In Liqn.) unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. BASU Registrar of Companies, U.P.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sanjora Chemicals Private Limited

Ernakulam, the 18th September 1975

No. 2158/Liq/560/9387/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sanjora Chemical Private Limited has this day bene struck off the Register and the said Company is dissolved.

P. S. ANWAR Registrar of Companies, Kerala In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jayanti Lal Amrat Lal Limited

Ahmedabad, the 19th September 1975

No. 84/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Jayantilal Amratial Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jayantilal Amrailal and Company Limited

Ahmedabad, the 19th September 1975

No. 765/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Isyantilal Amratial and Company Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

J. G. GATHA Registrar of Companies, Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Fine Timbers Private Limited

Delhi, the 23rd September 1975

No. 2346/13763.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Fine Timbers Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. K. JAIN Assit. Registrar of Companies, Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. North Mohanadi Trading Company Private Ltd.

Cuttack, the September 1975

No. 164/75-1733(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the North Mohanadi Trading Company Private Ltd. has this day been struck off and the said Company is dissolved.

S. N. GUHA Registrar of Companies, Orissa

### OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 15th September 1975

No. F.48-Ad(AT)/75-P.H.—On his reverting back to his parent department viz., Employment and Social Welfare (A) Department of Government of Andhra Pradesh, Hyderabad, Shri Bashiruddin Ahmed relinquished charge of the Office of the Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderaba Benches, Hyderabad on the forenoon of 18th August, 1975.

HARNAM SHANKAR President. FORM ITNS

(2) Shri Vinod Kumar & others.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME<sup>1</sup> TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER. OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th August 1975

Ref. No. 21-V/Acq.—Whereas, I Bishambha<sub>I</sub> Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,600/- and bearing No.—situated at Moh. Ayodhya Ganj Kasha Ujhiyani Distt.

Badaun and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Badaun on 3-3-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating "the concentrate of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Bishan Dass & others.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2/5th Portion of a three storeyed building measuring 1571 aqr. yards known as "Kewal Talkies" situated at Ayodhya Ganj Kasba Ujhiyani Distt. Badaun.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 29-8-1975.

FORM ITNS-

(1) Shri Nand, Kumar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nabi Hasan Khan.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th September 1975

Ref. No. 112N/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. 128/14/1 situated at Chaina Bazar Chaulakhi Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknew on 10-3-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other, person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXΛ of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house double storeyed No. 128/14/1 situated at Chaina Bazar Chaulakhi Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow,

Dato: 10-9-1975

#### FORM ITNS----

(1) Shri Nand Kumar,

('Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shamsul Hasan Khan & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow the 10th September 1975

Ref. No. 78-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-inarter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ahata situated at Ina Bazar.

(and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 12-3-75

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Ahata measuring 3116 sq. ft, is situated at Ina Bazar, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under, subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 10-9-75

FORM JINS ....

(1) Shri Ishrat Ali Khan,

(Transferor)

TPART III....SBC. 1

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kunwar Zafer Ahmad Khan.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Lucknow, the 29th August 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires, later;

Ref. No. 2-Z/Acquisition. - Whoreas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair/market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(b) by any other person interested in the said immovable, property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamete.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Distt. Moradabad No. 32/1 signated at Village Shyampur Tehsil Hasanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1808 (16 of 1909) in the Office of the Registering Officer at Hasement on 7-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforemid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect, of, any income arising from the , transfer; prd/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or, any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

#### THE SCHEDULE

A agricultural land measuring 1034 Decimal situated at Village Shyampur Teksil Hasanpur, Distt, Moradabad.

> DISHAMDHAR NATH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquintion Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, massely :-

Date: 29-8-1975.

Scal:

#### FORM ITNS----

(1) Shri Ishrat Ali Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kunwar Mohsan Ali Khan

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 29th August 1975

Ref. No. 63-M/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to beheve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 32/1 situated at Village Shyampur Tehsil Hasanpur Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hasanpur on 7-5-1975

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

13—286 GT/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A agricultural land measuring 10.34 Decimal situated at Village Shyampur Tehsil Hasanpur Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 29-8-1975,

Scal:

FORM JTNS-

(1) Shri Ishrat Ali Khan.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohd, Sultan.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th August 1975

Ref. No. 62-M/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'maid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 32/1 situated at Village Shyampur Tehsil Hasanpur Distt, Moradabad

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hasanpur on 7-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby inititae proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A agricultural land measuring 10.34 Decimal situated at Village Shyampur Tehsil Hasanpur Disti. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 29-8-1975.

#### FORM ITNS-

(1) Shri Ishrat Ali Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Mohd, Zaki,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th August 1975

Ref. No. 61-M/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 32/1 situated at Village Shyampur Tehsil Hasanpur Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hasanpur on 7-5-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A agricultural land measuring 10.34 Decimal situated at Village Shyampur Tehsil Hasanpur Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 29-8-1975.

#### FORM ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 24th September 1975

Ref. No. Acq.File No. 244/J. No. 582/EG.—Whereas, I, B. V. Subbarao,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R. S. No. 247/2B situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Rajahmundry on 31-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- Syed Ibrahim (2) Syed Ahmedullah Shah (3) Syed Kuduruddiullah Shah (4) Syed Nabiullah Shah (5) Syed Safiullah Shah (6) Syed Akbarali Shah (7) Syed Abbas Ali Shah (8) Syed Naziullah Shah. (Transferor)
- (2) Shri Navudu Kannarao, S/o Appalaswamy, Mg. Pr. Laxmi Ganapati Crucible works, Rajahmundry. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The scheduled property as per document No. 273/75 of the S.R.O., Rajahmundry.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 24-9-1975.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 24th September 1975

Ref. No. Acq.File No. 242/J. No. 648/WG.—Whereas, I, B. V. Subbarao,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R.S. No. 194 Land—4-48 situated at Digumarru village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakol on 15-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Mamidi Krishna Pradad, S/o Satyanarayana Palakol.

(Transferor)

(2) Shri Oruganti Satyanarayana S/o Veeraswamy, Digumarru.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as document No. 547 as per S.R.O., Palakol.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 24-9-1975.

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 24th September 1975

Ref. No. Acq.File.No. 243/J.No.505/KR.—Whereas, I, B, V. Subbarao,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Door No. 26-9-4 situated at Gandhinagar, Vijayawada (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 28-2-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nannapaneni Gopalarao, S/o Anjaneyulu, Ayitanagaram.

(Transferor)

- (2) J. Nagamsetty Subba Rayulu, S/o Subramanyam.
  - 2. Shri Mallemalla Venkata Raghava Reddy, S/o Veeraswamy Reddy.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

The schedule property vide document No. 547 dated 24-2-1975 of S.R.O., Vijayawada.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 24-9-1975.

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 22nd September 1975

Ref. No. Acq. No. 239/J. No. 605/WG/75-76.— Whereas, I. B. V. Subba Rao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 14-35-2/1 to 4 Kakakatla situated at Tadepalligudem (and more fully described

in the Schedule annexed hereto) has been transferred asper deed registered

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tadepalligudem on 31-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri P. V. Krishnamacharyulu, S/o Venkatachari, Ladepalligudem.

(Transferor)

(2) Sri Jayavarapu Kasi Viswantham, S/o Pullaiah, Tadepalligudem.

(Transferce)

. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per document no. 219 of the SRO, Tadepalligudem.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Kakinada

Data: 22-9-1975,

Scal :

#### FORM ITNS-

(1) Shri Mamddi Krishna Prasad, S/o Satyanarayana, Palakol.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Oruganti Veera Swamy, S/o Oruganti Butchanna, Digmarru.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 24th September 1975

Ref. No. Acq.File.No.240/J.No. 668/EG.—Whereas, I, B, V, Subbarao,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R. S. No. 194. Land 2-00 situated at Digumarru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Palakol on 31-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The Schedule property as per document No. 576 of the S.R.O., Palakol.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 24-9-1975.

Seal;

PART III—SEC. I]

#### FORM ITNS-

(1) Shri Mamidi Krishna Prasad, S/o Satyanarayana, Palakol.

(2) Shri Oruganti Ramakrishna,

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### S/o Veeraswamy, Digumarru.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 24th September 1975

Ref. No. Acq.No.241/J.No.647/WG/74-75.—Whereas, I, B. V. Subbarao.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R.S. No. 195/3 land 2-48 situated at Digumarru village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakol on 15-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

14-286 GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 508 of the S.R.O. Palakol.

> B. V. SUBBARAO. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 24-9-75.

#### FORM ITNS \_\_\_\_

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Junlundur, the 24th September 1975

Ref No. AP1268.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Nangal Jiwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in Feb. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which dught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely;—

- (1) Sh. Joga Singh s/o Vir Singh S/o Sham Singh r/o Bopa Rai, Teh. Nakodar. (Transferor)
- (2) Sh. Piara Singh s/o Vir Singh s/o Sham Singh r/o Bopa Rai Teh. Nakodar.
  (Transferce)
- \*(3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the land (Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2495 of Feb. 1975 of Registering Authority. Nakodar.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-9-1975.

Seal;

#### FORM ITNS--

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP1269.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Nangal Jiwan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer

at Nakodar in Feb. 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Joga Singh s/o Vir Singh s/o Sham Singh r/o Bopa Rai, Teh. Nakodar.

  (Transferor)
- (2) Sh. Piara Singh s/o Vir Singh s/o Sham Singh r/o Bopa Rai, Teh. Nakodar.

  (Transferee)
- \*(3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the land.
  (Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd, deed No. 2495 & 2496 of February 1975 of Registering Authority Nakodar.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Assistant Commissioner of Income-tax

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24-9-1975.

#### FORM ITNS-

(1) Shri Charanjit Rai S/o Mala Ram S/o Sohan Lal r/o Mukerian. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harinder Singh S/o Attar Singh R/o Phagla Jhanava, Mohan Singh S/o Jagir Singh S/o Kehar Singh R.O. Mehatpur Mukerian.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR \*(3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

Juulundur, the 24th September 1975

\*(4) Any other person interested in the land.
(Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Ref. No. AP1282.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Mukerian (and more fully described

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Mukerian in January, 1975

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land as mentioned in Regd. Deed No. 1813 of January, 1975 of the Registering Authority, Mukerian.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Date: 24-9-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th September 1975

Ref. No. AP1299.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,006/- and bearing No.

As per Schedule

situated at Danshmanda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in Jan. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1') of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amar Nath s/o Kirpa Ram G.A. to Durga Devi w/o Amar Nath, Basti Danshmanda. (Transferor)
- (2) Shvi Rekhi Lands P. Ltd., Jullundur. (Transferee)
- \*(3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any person interested in property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8840 of Jan. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dale: 26-9-1975.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th September 1975

Ref. No. AP1300.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Denshmanda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur in Jan. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amar Nath s/o Kirpa Ram GA to Durga Devi w/o Amar Nath to Basti Danshmanda. (Transferor)
- (2) Rekhi Lands P. Ltd., Jullundur. (Transferee)
- \*(3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any person interested in property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 9078 of Jan. 75 of the Registration authority, Juliundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dato: 26-9-1975.

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th September 1975

Ref. No. AP1301.—Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. As per schedule

situated at Danshmanda

Part III—Sec. 1]

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in Jap. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

- (1) Shri Amar Nath attonery of his brother Malawa Singh of Basti Bawakhail.
  - (Transferor)
- (2) Rekhi Land P. Ltd., Jullundur.

(Transferce)

- "(3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property.

  (Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8798 of Jan. 75 of the Registering authority, Jullundur,

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 26-9-75,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th September 1975

Ref. No. AP1302.—Whereas, I Ravinder Kumar.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beairing No. As per schedule

situated at Subash Nagar

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jullundur in Jan. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:-

- (1) Sh. Maharaj Krishan s/o Sh. Mani Ram H. No. ED-36, Mohalla Dhan, Jullundur. (Transferor)
- (2) Mrs. Bimla Devi w/o Sh. Om Parkash, H. No. 25, Subhash Nagar, Jullundur. (Transferee)
- \*(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in property. (Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 9200 of Jan. 75 of the Registering authority, Jullundur.

> RAVINDER KUMAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 26-9-75,

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th September 1975

Ref. No. AP1295.—Whereas, I. Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule

situated at Sabowal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Jullundur in Jan. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

15 --- 286GI /75

- (1) Shri Dharam Singh s/o Udham Singh, Sabowal. (Transferor)
- (2) The Vasant Vibar Co-op House building Society 1.td., Jullundur. (Transferce)
- \*(3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in property.

  (Person whome the undersigned knows to b\_ interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8795 of Jan. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 26-9-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th September 1975

Ref. No. AP-1298.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule

situated at Danshmada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in Jan. 75

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amar Nath 5/0 Kirpa Ram G.A. to Tek Chand s/o Teju Ram, Basti Bawakhail. (Transferor)
- (2) Rekhi Lands P. Ltd., Jullundur,

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall hav thee same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8839 of Jan. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 26-9-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP1254.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As mentioned in the enclosed form of Schedule situated at Kamam

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been

transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in January, 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kirpal Singh, Gurdial Singh, Ajmel Singh s/o Sohan Singh s/o Maya R/O Kamam, 2. Surjit Kaur Wd/o Rachhpal Singh s/o Sohan Singh R.O., Kamam,

(Transferor)

 Smt. Narinder Sheila w/o Nararta Singh s/o Dhana Singh R.O. Kamam, Teh, Nawashehar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the plot, (Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. Deed No. 4183 of January, 1975 of Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24-9-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP1255.-Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As mentioned in the enclosed form of schedule situated at Uppal Khalasa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in Feb. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jarnail Singh s/o Bhansingh r/o Uppal Khalsa, Teh. Phillaur.

(Transferor)

 S/Sh. Parmjit Singh 2. Gurdial Singh s/o Lachhman Singh, Ujagarsingh, r/o Uppal Khalsa.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in property.
(Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 3980 of February, 1975 of the Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24-9-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 24th September 1975

Ref. No. AP1256.-Whereas, J. Ravinder Kumar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As mentioned in the enclosed form of schedule situated at Uppal Khalsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Jan. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfet; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jarnail Singh s/o Bhan Singh, r/o Uppal Khalsa, Teh. Phillaur. (Transferor)
- (2) S/Sh. Parmjit Singh, Gurdial Singh s/o Lachhman Singh s/o Gurdial Singh, r/o Uppal Khalsa. (Transferee)
- \*(3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 3757, January, 75 of the Registering authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24-9-1975.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP1257.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As mentioned in the enclosed form of schedule situated at Vill. Samrai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Phillaur in Jan. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby untiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mehar Singh s/o Bhagwan Singh r/o Samrai.
  (Transferor
- (2) S/Shri Ravinder Singh, Sarwan Singh s/o Sh. Hari Singh r/o Samrai C/O Gursarn Singh s/o Lakha Singh.

Transferee)

- \*(3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 3714 Jan. 75 of the Registering authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24-9-1975.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME\_TAX, ACOUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullandar, the 24th September 1975

Ref. No. AP1258.-Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As mentioned in the enclosed form of schedule situated at Kang Jagir (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur in Jan. 75 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Karmi 2. Anto 3. Bhajno D/O Bachint Singh s/o Balvinder Singh r/o Kang Jagir.

(Transferor)

(2) 1. Harbans Singh 2. Baldev Singh, 3. Sangara Singh 4. Nazar Singh 5. Balbir Singh 6, Harcharan Singh ss/o Kehar Singh c/o Harbans Singh s/o Kehar Singh, r/o Kang Jagir.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in property.
(Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 3721 of Jan. 75 of the Registering authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date 24-9-1975.

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP1259.—Whereas I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As mentioned in the enclosed form of schedule situated at Ghurka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phillaur in Jan. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

 Sh. Banta Singh s/o Inder Singh s/o Taba r/o Ghurka.

(Transferor)

- (2) Sh. Johar Singh s/o Jagat Singh s/o Ralla r/o Pandon Mubarkh.
  - (Transferee)
- \*(3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 3780 of Jan. 75 of the Registering authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullyndur

Date: 24-9-1975.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP1260.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As mentioned in the enclosed form of schedule situated Ghurka

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Phillaur in Jan. 75

16-286GI/75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Banta Singh s/o Inder Singh s/o Taba R.O. Ghurka.

(Transferor)

 Sh. Johar Singh s/o Jagat Singh s/o Rulasingh R.O. Pandori Musharkta.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in property. (Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 3892 of January, 75 of the Registering authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24-9-1975.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP1261.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the compelent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As mentioned in the enclosed form of schedule situated at Vill. Alowal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhanga in Jan, 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said' Act' to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Basant Singh s/o Puran Singh s/o Gurdit Singh r/o Teb. & Distt. Hoshiarpur.
  - (Transferor)
- (2) Sh. Devinder Singh s/o Puran Singh r/o Teh-Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property. (Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 1405 of Jan. 1975 of the Registering authority, Bhanga.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullunder

Date: 24-9-1975.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP1262.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule

situated at Alowal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bunga in Jan., 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax, Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Basant Singh S/o Puran Singh Vill. Sado Chor Teh. Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Smt. Swaran Kaur W/o Puran Singh Vill. Pathrali Teh. Hoshiarpur (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in property.
  (Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 1359 of January, 1975 of the Registering Authority, Bhunga.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24-9-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP1263.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Mehli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahr, on 19-1-1975, for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Babu Ram S/o Ganda Ram R,O. Mehli.
  (Transferor)
- (2) 1. Shri Gurmej Singh, Ajit Singh and Kashmir Singh SS/o Shri Swaran Singh R.O. Mehli.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.
  [Person whome the undersigned knows
- (4) Any other person interested in land.

  [Person whome the undersigned knows to be interested in the property]

Oojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 4217 of January, 1975 of the Registering Authority, Nawanshahr.

REVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-9-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. A.P. 1264.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur, on January, 1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Bansi Lal S/o Ram Lal WF 145 Ali Moh. Jullundur. (Transferor)

(2) M/s Bhatia Co-operative House Building society Ltd. Jullundur. (Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in Land.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 8656 of January, 1975 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-9-1975

(1) Shri Joga Singh s/o Vir Singh s/o Sham Singh r/o Bopa Rai, Teh. Nakodar.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. A.P.1267.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Nangal Jiwan,

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nakodar, in Feb. 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) Shri Piara Singh s/o Vir Singh s/o Sham Singh r/o Bopa Rai, Teh. Nakodar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the land. [Person whome the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Reg. dccd No. 2496 of Feb. 1975 of Registering Authority, Nakodar.

> REVINDER KUMAR, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. A.P. 1270.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule attached situated at Singhpur Dona, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur on January 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Parkash Wati Wd/o of Hari Chand S/o Gurditta Mal R/o H. No. 16/275-7 Joshi Lane Karol Bagh New Delhi Th. Shri Prithvi Raj Verma Gen. Attorney Sh. Duni Chand S/o Gurditta Mal House No. 87 Block No. 26 West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Thakar Dass S/o Tola Ram S/o Hoshnuk Ram Vil. Scham Teh. Nakodar.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in land.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period, of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Decd No. 2279 of January, 1975 of the Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. A.P. 1277.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule attached situated at Mundh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar on February 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of.-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Nirmal Singh S/o Bhagat Singh S/o Waryam Singh Vill Mundh Teh. Nakodar. (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Singh S/o Gurbir Singh S/o Chuhar Singh Vill. Mundh Teh. Nakodar. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in land.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 2545 of February, 1975 of the Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-9-1975

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. A.P. 1278.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/\_ and bearing

No. As per Schedule attached, situated at Mundh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar, on February 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

17—286GI/75

- (1) Shri Bhagat Singh S/o Wryam Singh R/o Mundh Teh. Nakodar. (Transferor)
- (2) Shri Pal Singh S/o Gulbir Singh S/o Chuhar Singh, Charan Kaur W/o Pal Singh S/o Gulbir Singh vil. Mundh Teh. Nakodar.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in land.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 2546 of February 1975 of the Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-9-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP 1280.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Old Post Office Road, (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jullundur in January 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section '169D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Swaran Verman wd/o Sh. Baldev Sahay Kothi Monorme On Old Post Office Road, Near State Bank of India, Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Sh. Hans Raj, Gyan Parkash & Satdev Ss/o Sh. Mool Raj c/o M/s, Hans Raj Aggarwal & Brothers Cloth Merchants Attari Bazar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed Nt. 8281 of 1/75 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24th September 1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP 1281.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule attached situated at Bahadurpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hoshiarpur in January, 1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhagat Ram S/o Ralla Ram R/o Bahadurpur Hoshiarpur,

  (Transferor)
- (2) Shri Om Parkash, Kishan Chand, S/o Rakha Ram s/o Radha Ram, Bakshi Ram s/o Deva R/o Lambra Teh. Jit Ram S/o Khushi Ram R/o Barin Kburd, Distt. Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land, (Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 3632 of January, 1975 of the Registering authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24th September 1975

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR.

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP 1283.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Baghpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Hoshiarpur in January, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Vas Dev S/o Sh. Phullu Ram S/o Lachhmi Narain R/o Baghpur H. No. 362 Teh. Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Shri Balbir Singh S/o Munshi Ram 73 Garden Coloney Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 3553 of January, 1975 of the Registering Authority. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTTION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP 1284.-Whereas, I. Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Schedule situated at Sutehri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in January, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this, notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Harcharan Dass son of Sh. Khazan Chand S/o Gopal Dass Saini R/o Fatehgarh Sutehri Thana Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Bikram Singh S/o S. Hari Singh Saini r/o Simbli Thana Teh, Hoshiarpur. 2/3 Lakhwinder Singh S/o Gurdial Singh S/o Labh Singh Jat R/o Mehtianan Teh, Hoshiarpur, 1/3 share.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in land.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Dccd No. 3605 of January, 1975 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24th September 1975

SeaI:

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP 1285.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in January, 1975 for an apparent consideration which is

less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Surjit Singh S/o Durga Singh S/o Jiwa.
  - 2 Harkishan S/o Daulat Ram S/o Jiwa.
  - Shri Kuldip Singh, Jagdish Singh Ss/o Dasondha Singh
  - 4. Smt. Gian Kaur Wd/o Parkash.

- 5. Om Parkash.
- 6. Shri Ram Parkash.
- 7. Smt. Chanan Kaur.
- 8. Smt. Bimla Devi.
- 9. Joginder Kaur D/o Daulat Ram.
- 10. Smt. Karam Kaur Wd/o
- 11. Malkit Singh.
- 12. Smt. Gurdev Kaur.
- Smt. Surjit Kaur Ds/o Durga Singh R/o Premgarh.

(Transferor)

- (2) 1. Tarlochan Singh S/o Chanan Singh.
  - Shrimati Surjit Kaur W/o Chanan Singh R/o Kishan Nagar, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 3621 of January, 1975 of the Registering Authority Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24th September 1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th September 1975

Ref. No. AP1286.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. As per Schedule situated at Bhagowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in January, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, markely:—

- (1) 1. Shri Surjit Singh S/o Bawa Kartar Singh.
  - Shri Gurdarshan Singh,
     Shri Amarjit Singh,
     Parlad Nagar Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Rasal Singh S/o Tarlok Singh r/o Vil. Baddon Teh, Amb Distt. Una.

(Transfer**ce**)

- (3) As per Sr, No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 3764 of January, 1975 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24th September 1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1220.—Whereas, I. Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registra-

tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Jullundur in January 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor of pay tax under the said Act in respect of any income raising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurdial Singh GA of Shri Dev Dutt & Kalu Ram Ss/o Riju, Charanjitpura, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Sohan Singh Jandhu s/o Sh. Narain Singh, r/o (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property. (Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. No. 8529, of January, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax)
Acquisition Range, Jullundur

Date: 19-9-1975

(1) Shri Gurdial Chand GA of Shri Dev Dutt & Kalu Ram s/o Riju Ram, r/o Ranjit pura, Jullundur,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurdial Chand Jandu s/o Narain Singh Jandu r/o Sidhwan, Teh. Nakodar. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER. OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

(4) Any other person interested in the plot. (Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

Jullundur, the 19th September 1975

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. AP 1221.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot as mentioned in Regd. Deed No. 8529 of January, 1975 of Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax) Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-18—286GI/75

Date: 19-9-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1222.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Juliundar in January 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kanwar Singh Mahey s/o Sh. Dewan Singh, Jullundur. (Transferor)
- (2) Sh. Harbans Singh s/o Sh. Kartar Singh, Vill. Farala, Near Phagwara.

  (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property, (Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8630 of January 1975 of the Registering authority, Jullundur,

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax)
Acquisition Range, Jullundur

Date: 19-9-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1223.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regis-

tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in January 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagan Nath s/o Babu Ram, Alawalpur, Distt. Jullundur,

(Transferor)

- (2) Shri Amba Dutt s/o Daulat Ram r/o Alawalpur.
  (Transferee)
- (3) As per Sr. No., 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property.
  (Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Registered Deed No. 9081 of Jan. 1975 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax)
Acquisition Range, Jullundur

Date: 19-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1224.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Alawalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Juliundur in January 1975 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Jagan Nath s/o Sh. Babu Ram of Alawalpur,
Distt, Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Durga Dass s/o Bhadhar Paul s/o Sh. Daulat Ram, Alawalpur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property. (Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 9060 of Jan. 1975 of Registering authority.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax)
Acquisition Range, Jullundur

Date: 19-9-1975

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1225.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Alawalpur (and more fully described in the Schedule annexed herelo), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagan Nath s/o Sh. Babu Ram of Alawalpur. (Transferor)
- (2) Shri Dev Dutt & Anil Kumar ss/o Shri Daulat Ram, Alawalpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property.
  (Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 9059 of January 1975 of the Registering authority, Juliundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 19-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1226.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jhandu Sindha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jullundur in January 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Parmjit Singh s/o Sh. Mehar Singh, of Vill. Madar, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Bhupindar Pal Singh s/o Shri Arjan Singh, Vill. Jandhu Sindha, Distt, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in property.
(Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8669 of January 1975 of Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 19-9-1975

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1227.-Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Kapur Pind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in January 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:

(1) Shri Jagan Nath s/o Raghubir Ram of Kapur Pind, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Deyal Singh Bhupinder Singh s/o Sh. Gurmail Singh, Satnam Singh, Amarjit Singh, Parmjit Singh ss/o Sh. Santa Singh s/o Labh Singh, Kapur Pind, Jullundur,

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property. (Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8519 of January 1975 of Registering authority, Juliundur.

> RAVINDER KUMAR Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax) Acquisition Range, Juliundur

Date: 19-9-1975

Ser1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullandur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1228.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Industrial Area, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with object of :-

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

 Shri Jolly Tools Works, Sodal Road, Jullundur, Through Prem Nath s/o Gian Chand.

(Transferor)

(2) Smt. Vidya Devi d/o Sh. Kanshi Ram s/o Magarmal C/o M. K. Industries, S-67, Industrial Area, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property. (Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8975 of January 1975 of Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax)
Acquisition Range, Jullundur

Date: 19-9-1975

Scal;

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1229.-Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. As per schedule situated at Udheypur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—
19—286GI/75

 Shri Udham Singh s/o Sh. Hari Singh, G.A. Sh. Gurdev Singh s/o Sh. Udham Singh, Vill. Udheypur, Teh. Julllundur.

(Transferor)

(2) Smt. Nachharttar Kaur wd/o Sh. Mehga Singh Vill. Garah, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in property.

(Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 9293 of January 1975 of Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 19-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1230.-Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Udeypur (Jullundur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in January 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Nirmal Singh s/o Udham Singh Vill. Udheypur, Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Sh. Sohan Singh s/o Mehnga Singh, Vill. Garah, Teh. Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property. (Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 9294 of January 1975 of Registering authority, Jullundur,

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 19-9-1975

FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1231.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Fazalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

 Shri Bheem Sain 5/0 Puran Chand of Vill. Jundiala, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Kashmir Singh s/o Chanan Singh of Vill. Talwandi Jattan, Tch. Hoshiarpur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in property. (Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8570 of January 1975 of Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax)
Acquisition Range, Jullundur

Date: 19-9-1975

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1232.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing

No. As per schedule situated at Saharaki (Jullundur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at

Jullundur in January 1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act" or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

 Shri Bhagat Ram, Sadhu Ram ss/o Kirpa Ram Vill. Chahrka, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Tej Kaur wd/o Sh. Bhan Singh of Bhogpur, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in property. (Person whome the under signed knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Sald Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8483 of January 1975 of Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax)
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-9-1975

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III—SEC. 11

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1233.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Jullundur
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jullundur in January 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Surjan Singh alias Chanan Singh s/o Nika Singh s/o Wadhawa Singh, Vill, Reru Teh, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Yash Paul s/o Satpaul Khullar through Sh. Ashok Kumar s/o Jagdish Mitter Kapur, Art Press Adda Hoshiarpur, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8486 of Jan. 1975 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. A.P. 1234.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule, situated at Industrial Area (Jull.), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

 Shri Surjan Singh alias Chanan Singh s/o Nika Singh s/o Wadhawa Singh, Vill. Reru Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Kumar s/o Paul through Shri Ashok Kumar s/o Jagdish Mitter Art Press Adda Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8487 of Jan. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-9-75.

FORM ITNS ---

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. A.P. 1242.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Jagral, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur, on 19-1-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurnam Singh, Narinder Singh ss/o Gulzar Singh, Vill. Ojla, Tek. Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Sukhvinder Singh s/o Pritam Singh Vill. Jagral, Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 9025 of Jan. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-9-1975.

#### FORM ITNS .....

(1) Shri Man Singh s to Mangal Singh r to Barnala Khas. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Doaba Nawashahar Co-op. House Building Society Ltd., Nawashahar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

(4) Any person interested in property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Jullundur, the 19th September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Ref. No. A.P. 1243.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Barnala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur, on 19-1-75,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

for an apparent consideration which

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4372 of Jan. 75 of the Registering authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 19-9-75.

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullandur, the 19th September 1975

Ref. No. A.P. 1244.—Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule, situated at Barnala,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

March, on 19-1-75.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

20-286GI/75

- (1) Vishal House Building Society, Ltd. Nwanshahr.
  (Transferor)
- (2) Shrimati Raj Kumari d/o Arjan Das, ro Banga. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above, [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the land,
  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 4711 of March, 1975 of the Registering Authority, Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-9-75.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullandur, the 19th September 1975

Ref. No. A.P. 1245.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule, situated at Gharshankar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur, on 19-1-75,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Capt. Rattan Singh s/o Rala Ram, r/o Gharshankar. (Transferor)
- Shri Sohan Singh S/o Shri Chhaju Ram, r/o Mehlgela,
  - Shri Charan Dass S/o Amar Nath, r/o Nawanshahr.
  - Shri Harjit Singh S/o Shri Amar Nath, r/o Nawanshahr,
  - 4. Shri Bhagat Ram S/o Shri Laxmi Ram, S/o Shri Munshi Ram, r/o Gkorhshankar.

(Transferees)

- (3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3144 of Feb. 75 of Registering Authority, Juliundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-9-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1246.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule, situated at Nwanshahr

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nwanshahr in February 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sat Parkash s/o Jaswant Rai s/o Labu Mal r/o Tch. Garshankar. (Transferor)
- Shri Baldev Krishan s/o Nanak Ram, R.O. Teh. Garshankar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 4451 of February 1975 of the Registering Authority, Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-9-1975

Scal:

### (I) Sh. Sat Parkash s/o Jaswan Rai, r/o Nwanshahr. (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Shri Ram Nath s/o Manak Ram r/o Parali. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the plot.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Jullundur, the 19th September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP 1247,—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-aud bearing

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

No. As per Schedule, situated at Nwanshahr (and more

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nwanshahr in February 1975

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot as mentioned in Regd. deed No. 4452 of Feb. 1975 of the Registering Authority, Nwanshahr,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 19-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1248.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Possi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Garshankar in January 1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dharam Paul s/o Khushia s/o Kurha r/o Badhera, Tehsil Una. (Transferor)
- (2) Shri Pakhar Singh s/o Sajjan Singh s/o Gulab Singh r/o Moranwali, Teh. Garshankar.

  (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the proper(y)
- (4) Any other person interested in the land.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd deed No. 2895 of January, 1975 of the Registering Authority, Garshankar.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1249.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Jandiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Narain Kaur w/o Ganga Singh r/o Jandiala.
(Transferor)

(2) Shri Charan Das, Piara Ram ss/o Sunder Dass s/o Atra r/o Diala, Teh. Garshankar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 4360 of the January, 1975 of the Registering Authority, Nawanshahr.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. AP 1250.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Bharoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, Nwanshahr in January 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Gurdev Kaur w/o Sh. Udham Singh s/o Amar Singh, R. C. Jhander Kalan.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Niranjan Kaur wd/o Piara Singh s/o Dalip Singh, r/o Bharoli. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 4025 of January, 1975 of S.R. Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-9-1975

(1) Smt. Narain Kaur w/o Ganga Singh r/o Jandiala, Teh. Nwanshahr.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Sarwan Ram s/o Sunder Dass s/o Attra, Dialan, Teh. Garshankar. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE. JULLUNDUR.

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Jullundur, the 19th September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP 1251,-Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/\_ and bearing No. As per schedule situated at Jandiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nwanshahr in January 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said

- immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 4272 of January, 1975 of Registering Authority, Nwanshahr.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957). RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 19-9-1975

PART III-SEC. 11

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME\_TAX

ACQUISITION RANGE. JULLUNDUR.

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. 1252.--Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Possi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Garshankar in January 1975 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

21-286GI/75

(1) Sh. Dharam Pal s/o Khushi Ram r/o Badhera, Teh. Una, Now Vill. Possi, Teh. Garshankar.

(2) 1. Shri Bikar Singh s/o Charn Singh Ss/o Surjan Singh. 2. Shri Pakhar Singh s/o Surjan Singh r/o Moranwali.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3003 of January, 1975 of S.R. Garshankar,

> RAVINDER KUMAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tex Acquisition Range, Jullundur.

Date: 19-9-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 19th September 1975

Ref. No. No. AP 1253.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Kamam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahr in January 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Sh. Inderjit Singh, Paramilt Singh, Amarlit Singh Ss/o Anoop Singh, Jaswant Kaur d/o Harbans Kaur wd/o Anoop Singh & Sarup Singh s/o Dilbagh Singh;

(Transferor)

- (2) 1. Shri Rattan Singh, 2. Shri Darshan Singh Si/o Girdhara Singh s/o Dalip Singh r/o Kamam. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections; if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 4184 of January, 1975 of Registering Authority, Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 19-9-1975